卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 141 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बृहस्पतिवार ♦29 फरवरी 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

हिमाचल में 6 विधायकों की सदस्यता समाप्त

शिमला(उद ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने छह दलबदलू कांग्रेस विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी है। उन्होंने कहा कि सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, आईडी लखनपाल, रवि ठाकुर, चैतन्य शर्मा और देवेंद्र भुट्टो सभी पर विधानसभा का यह आदेश लागू हैं। आदेश जारी होने के बाद सभी छह सदस्य अब से सदन के सदस्य नहीं रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि तीन पेज का एक डिटेल ऑर्डर जारी किया गया है। एंटी डिफेक्शन लॉ के 10 शेड्यूल के तहत बतौर ट्रिब्युल के जज तौर पर यह फैसला मैंने सुनाया है। साथ में रजिस्ट्रार भी मौजूद हैं। पठानिया ने कहा कि छह माननीय जो

हमारे हैं, उन्होंने चुनाव कांग्रेस पार्टी से लड़ा था। एंटी डिफेक्शन लॉ की पिटीशन दायर हुई है। इसी संदर्भ में याचिका संसदीय मंत्री की तरफ से आई है। सभी बागियों को सुनवाई का मौका दिया गया। विरोधी वकील को कहा कि नौ बजे तक सुनवाई चल सकती थी लेकिन छह बजे तक सुनवाई हुई और रिकॉर्ड पेश किया गया। वकील सतपाल जैन ने समय मांगा था। फैसले के बारे में पठानिया ने कहा कि फैसला पब्लिक डोमेन में हैं। उन्होंने कहा कि व्हिप जारी किया गया था। विधायक सदन में मौजूद नहीं थे। बजट के दौरान भी नहीं मौजूद थे। सुनवाई के दौरान भी ये विधायक व्यक्तिगत तौर पर पेश नहीं हुए हैं। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल के लिए जो व्हिप जारी (शेष पृष्ठ सात पर)

हिंसा के मास्टरमाइंड मलिक का बेटा अब्दुल मोईद गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बनभूलपुरा हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के पुत्र अब्दुल मोईद को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि बनभूलपुरा हिंसा से जुड़े उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए छह पुलिस टीमें गठित की गई, जो देश के अलग-अलग राज्यों- गुजरात, दिल्ली, मुंबई-महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि सभी संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दे रही है। उक्त गठित टीमों में से एक टीम को बड़ी सफलता हासिल हुई है। टीम ने दंगे में वांछित अभियुक्त अब्दुल मोईद को

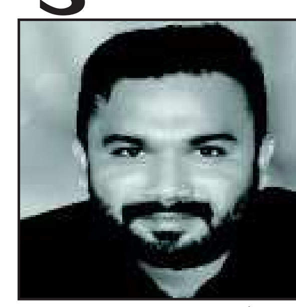

दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि, बनभूलपुरा हिंसा से जुड़े उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा की ओर से पुलिस की टीमों का गठन किया गया है। पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थलों के आसपास साक्ष्यों के आधार पर घरों में दबिश दी जा रही है। अब तक 83 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार व कारतूस बरामद किए गए है। आठ फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में मलिक के बगीचे में अवैध मदरसा और धर्मस्थल ढहाने गई पुलिस और प्रशासन की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया था। पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, रामनगर कोतवाल समेत 300 से अधिक पुलिसकर्मी और निगमकर्मी घायल हो गए। उपद्रवियों ने बनभूलपुरा थाना भी फूंक दिया। पुलिस (शेष पृष्ठ सात पर)

फर्जी चेक देकर कंपनी से 50.78 लाख की धोखाधड़ी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन पर खुद को कंपनी का परचेज मैनेजर बताकर जम्मू कश्मीर की एक कंपनी से तांबा मंगवाकर ट्रक चालक को 5077946 रुपए का फर्जी चौक थमा कर माल हड़प लिया। रामेश्वर सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी सारिका नगर, तलाब तिलो जम्मू एण्ड कश्मीर का कहना है कि वह मैसर्स मैटल ड्रीम्स इंडस्ट्रीज, सांबा का साझीदार है। उसकी कम्पनी मे पीतल ताबें का कार्य किया जाता है। 21 जनवरी 2024 को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया जिसने अपना नाम कुनाल शर्मा बताया गया और कहा गया कि वह बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का परचेज मैनेजर बोल रहा है।, कुनाल शर्मा के फोन व मेल आई डी के माध्यम से उससे सम्पर्क किया गया। रामेश्वर सिंह का कहना है कि उसकी कम्पनी से 5,247.98 किलोग्राम ताबा जिसका रेट एक किलो का मूल्य 820 रूपये था। जो कि कुल 43,03,343.60 रूपये जिसमे 18 प्रतिशत जीएसटी लगाकर कुल 50,77,946.00 रुपए है का बिल जारी कर 14 फरवरी 2024 को उक्त व्यक्ति द्वारा भेजे गये कम्पनी के पते बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सिडकुल, पंतनगर पर ट्रांसपोर्ट के माध्यम से भेजा गया। जब गाड़ी उक्त सामग्री (शेष पृष्ठ सात पर)

REQUIRED

Qualified Teachers are Required for N/c to VIIIth Class for all Subjects,
Walk in Interview on
2nd March 2024 at 10:00 A.M.
Fluency in English is Must.
E.L.P.S., Awas Vikas
Opposite Gurudwara
Contact No. 8755236638

जुआ खेलते 12 लोग गिरफ्तार, होटल सीज

किच्छा(उद संवाददाता)। एक होटल में जुआ खेल रहे दर्जनभर जुआरियों को पुलिस ने औचक दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। होटल में जुआ का अड्डा संचालित होने पर पुलिस ने होटल को भी सीज कर दिया। जिले में जुआ, सट्टा के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत । थानाध्यक्ष पुलभट्टा के नेतृत्व में गठित टीम पुलिस टीम ने देर रात्रि वेली होटल में औचक छापा मारा यहां दोमंजिले में बरामदे मे 12 लोगों को तास के पत्ते और 94600 नगदी के अलावा 13 मोबाईल सहित गिरफ्तार कर लिया। उप जिलाधिकारी से वार्ता के उपरांत वेली होटल को सीज करने की कार्रवाई भी की गयी।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में हफीज अहमद पुत्र हसीब अहमद निवासी वार्ड न0 13 किच्छा , रियाउद्दीन पुत्र नादे अली निवासी वार्ड न0 13 छोटी मस्जिद के पास किच्छा ,रहीस पुत्र अब्दुल हमीन निवासी बडी मस्जिद पंजाबी मोहल्ला वार्ड 10 किच्छा ,जमुना प्रसाद पुत्र रोशन लाल निवासी ग्राम सतुईया पुलभट्टा , तौसिफ रजा पुत्र इस्लाम खा निवासी वार्ड न0 10 किच्छा ,आकिब पुत्र मकबूल अहमद निवासी बडिया किच्छा ,जिया उल्लाह हसन (शेष पृष्ठ सात पर)

बाईक सवार चचेरे भाइयों पर किया जानलेवा हमला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि निजी चिकित्सालय से बाईक पर सवार होकर घर वापस लौट रहे चचेरे भाइयों पर मार्ग में मामूली टक्कर के बाद कुछ युवकों ने

धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर गंभी रूप से घायल कर दिया। हिमांशु कश्यप उर्फ जस्सी पुत्र बाबु राम कश्यप निवासी कृष्णा कालोनी, वार्ड 02, ट्रांजिट कैम्प का कहना है कि उसके पिता बाबु राम कश्यप का ट्रांजिट कैम्प के एक निजी अस्पताल में ईलाज चल रहा था। 28 फरवरी को रात्रि वह अपने चचेरे भाई हरिकेश को पिता जी को देखने के उपरान्त विवेक नगर मोटर साईकिल से छोड़ने के लिये जा रहा था। रास्ते में कुछ लड़के पेट्रॉलिंग (शेष पृष्ठ सात पर)

शबाना हत्याकाण्ड के मामले में पड़ोसी पिता पुत्र हिरासत में

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पहाड़गंज निवासी किशोरी शबाना हत्याकाण्ड के मामले में पुलिस उसके माता पिता को गिरफ्तार कर चुकी है। लेकिन पुलिस मामले की तह तक जाने का प्रयास में जुटी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मृतक शबाना के पड़ोस में रहने वाले एक युवक और उसके पिता को हिरासत में लेकर उससे मामले में पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक शबाना का पूर्व में जिस पड़ोसी युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, पिता की कई बार डांट के बाद शबाना ने उससे सम्बंध तोड़ दिये थे और उसका पिछले करीब 6 माह से पड़ोस में रहने वाले एक अन्य युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। मृतक शबाना उससे अक्सर ही फोन पर बातचीत किया करती थी। पुलिस ने मामले की छानबीन के दौरान जब शबाना के फोन की काल डिटेल निकाली तो मामला खुलकर सामने आया। यह भी बताया जा रहा है कि घटना की मध्य रात्रि जब शबाना घर की छत पर फोन पर उससे बात कर रही थी तो उसके पिता ने उसे देख (शेष पृष्ठ सात पर)

रस्म पगड़ी

बड़े दु:ख के साथ सूचित किया जाता है हमारी पूज्य माताजी **श्रीमती कृष्णा बांगा** पत्नी स्व. अविनाश बांगा (पूर्व नगर अध्यक्ष कांग्रेस,रूद्रपुर) का देहावसान 27 फरवरी 2024 को हो गया है, जिनकी आत्मिक शांति के लिए **रस्म पगड़ी दिनांक 01 मार्च 2024 दिन शुक्रवार** को दोपहर 2 से 3 बजे पांच मंदिर,रूद्रपुर में होगी।

शोकाकुल परिवार

रश्मि-अशोक राजपाल (बेटी-दामाद)
मेघा-विक्की दुआ (बेटी-दामाद)
शुभि-अर्पित अरोरा (पौत्री-पौत्री दामाद)
संजीव बांगा-मानवी (पुत्र-पुत्रवधु)
स्व. राजीव बांगा (पुत्र)
किरण बांगा (पुत्रवधू)
वैभव, लक्ष्य (पौत्र)

हरीश बांगा (भतीजा) एवं समस्त बांगा व मदान परिवार, 9760403551

...तो 'गुलदारों' के लिए 'नाकाफी' साबित हो रहे हैं 'सूबे के जंगल'?

गुलदारों की बढ़ती संख्या मानी जा रही आए दिन के गुलदार हमलों की वजह, सोलह सालों के भीतर चार गुना हुए गुलदार ,गुलदार- बर्थ कंट्रोल के तमाम प्रयास अब तक निष्फल

-अर्श-

रूद्रपुर। उत्तराखंड के कुल क्षेत्रफल का तकरीबन 71 प्रतिशत हिस्सा, यानी लगभग 37, 898 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र जंगल के तहत आता है। इसमें 4,675 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र सघन जंगल में आता है, जबकि 25,763।18 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र वन विभाग के अधीन है। इसके अलावा सामान्य जंगल का क्षेत्रफल 14,111 वर्ग किलोमीटर है और खुला वन क्षेत्र (बुग्याल आदि) 5,612 वर्ग किलोमीटर है। साथ ही 262 वर्ग किलोमीटर मिश्रित वनक्षेत्र है । देखा जाए तो राज्य का इतना विस्तृत वन क्षेत्र वन्य जीव के लिए पर्याप्त प्रतीत होता है। बावजूद इसके यदि प्रदेश में वन्यजीव जंगल छोड़कर मानव बस्तियों में आए दिन किसी न किसी मनुष्य को अपना शिकार बनाने लगे ,तो यह प्रश्न उठना लाजमी हो जाता है कि क्या उत्तराखंड के जंगल वन्य जीवों के लिए नाकाफी साबित हो रहे हैं ,जो गुलदार जंगल छोड़कर मानव बस्तियों का रुख कर रहे हैं? दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में गुलदारों के व्यवहार में आ रहे परिवर्तन एवं उनके मनोविज्ञान को समझने में असफल राज्य का वन विभाग, गुलदारों की संख्या वृद्धि को सूबे में आए दिन सामने आने वाले गुलदार हमलों की एक

बड़ी वजह मान रहा है। इतना ही नहीं वन विभाग का यह भी मानना है कि राज्य में हो रही बाघों की संख्या में वृद्धि भी गुलदारों के शहर की ओर रुख करने का एक प्रमुख कारण हो सकता है, क्योंकि वन्य जीवों के अध्ययन के दौरान बाघों के रहवास वाले क्षेत्र में गुलदारों की संख्या अपेक्षाकृत कम पाई गई है। वैसे आमतौर पर वन्यजीवों पर की संख्या में वृद्धि सरकार एवं वन्य जीव प्रेमियों के लिए खुशी का सबब माना जाता है ,लेकिन इसके उलट उत्तराखंड में पिछले 16 वर्षों में बढ़ी गुलदारों की संख्या एक बड़ी चिंता की वजह बनकर सामने आ रहा है ।वह इसलिए, क्योंकि चालू वर्ष के पहले दो महीने में ही गुलदार 6 लोगों को अपना निवाला बन चुके हैं। बात अगर वर्ष 2023 की करें ,तो बीते साल गुलदार के हमलों में 18 लोगों की जानें गईं। जबकि 98 लोग घायल हुए। इनमें चार वनकर्मी भी शामिल थे। इसके अलावा वर्ष 2021 में गुलदार हमलों में 81 और 2022 में 72 लोगों की जान गई थी । लिहाजा गुजरे दिनों राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा गुलदार हमलो में मारे जा रहे लोगों की बढ़ती संख्या को लेकर ,वन विभाग के तमाम छोटे -बड़े अधिकारियों-कर्मचारियों की क्लास लगाने के बाद उत्तराखंड का वन महकमा तनिक सक्रिय हुआ है और उसने गुलदारों से संबंधित कुछ आंकड़े जारी किए हैं। साथ ही उसने अपनी नाकामी का दोष गुलजारों की बढ़ती संख्या पर भी आयद करने की कोशिश(शेष पृष्ठ सात पर)

जनसमस्याओं के मुद्दों से गूंजा सदन

बजट सत्र में चर्चा के लिए देर रात तक चला सदनः भ्रष्टाचार, शिक्षा व्यवस्था, नंदा गौराधन, राशनकार्ड सहित आपदा और सड़कों की समस्या उठाई, पांच विधेयक पारित

देहरादून(उद संवाददाता) विधानसभा में देर रात तक चली सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के विरोध और सत्तापक्ष के समर्थन के बीच राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया। चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने अभिभाषण को राज्य के लिए विकासपरक बताया। विपक्ष ने इसका विरोध किया। विधानसभा में देर रात तक चली कार्रवाई के दौरान राज्य सरकार के वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट पर चर्चा शुरू हो गई। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बजट को दिशाहीन बताया। उन्होंने कहा, बजट समावेशी नहीं है, निराशावादी है। इसमें शब्दों की बाजीगरी की गई है। रोडमैप नहीं है, जो यथार्थ से परे है। नेता प्रतिपक्ष ने इसे लक्ष्यविहीन बजट बताते हुए कहा कि इसमें संभावनाओं की अनदेखी की गई है। उन्होंने इसे किसान विरोधी बताया। विधानसभा में मंगलवार को पेश हुए पांच विधेयकों में से चार विधेयकों को बुधवार देर रात तक चली कार्यवाही के दौरान बिना किसी चर्चा के पारित कर दिया गया। जिन विधेयकों को सदन ने पारित किया, उनमें उत्तराखंड निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, उत्तराखंड बाढ़ मैदान परिक्षेत्रण (संशोधन) विधेयक, उत्तराखंड लोक सेवा (कुशल खिलाड़ियों के लिए क्षैतिज आरक्षण) विधेयक, उत्तराखंड पंचायतीराज (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। सदन पर चर्चा के दौरान सत्ता और विपक्ष ने कुछ सुझाव भी रखे।बदरीनाथ विधायक राजेंद्र सिंह भंडारी ने कहा, सिलक्यारा से बड़ा हादसा जोशीमठ में हुआ। यहां 1200 परिवार डेंजर जोन में आ गए। आपदा सचिव ने बैठक कराते हुए शहर में ऐलान किया कि यह सभी परिवार हटेंगे। विधायक ने कहा, इन परिवारों के विस्थापन के बजाए जोशीमठ शहर का ट्रीटमेंट किया जाए। प्रभावितों को बिजली, पानी और कर से छूट मिले।क्षेत्रीय विधायक ने कहा, क्षेत्र में आपदा से श्रमिकों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। विधायक ने यह भी कहा कि, औली में करोड़ों की लागत से बर्फ बनाने की मशीन ली गई । जिससे एक दिन भी बर्फ नहीं बनी। विद्यालयों की स्थिति खराब है। विद्यालयों की छत टपक रही है। उडामांडा, चौंडी, जोशीमठ, ईराणी, सोरणा, बछेत आदि विद्यालय भवन ठीक नहीं है। कम छात्र संख्या वाले विद्यालय तोड़ दिए गए हैं। उन्हें बंद कर दिया गया है। जिसे फिर से खोला जाए। उच्च शिक्षा में गोपेश्वर महाविद्यालय में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय का कैंपस खोलने के बाद बंद कर दिया गया है। जिससे छात्र-छात्राओं को टिहरी जाना पड़ रहा है। भाजपा विधायक प्रमोद नैनवाल ने कहा, पीएम ने घोषणा की है कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने यूसीसी को पास कराया। इसके अलावा नकल विरोधी कठोर कानून बनाया। विधायक बिशन सिंह चुफाल ने कहा, सशक्त प्रदेश बने इसके लिए पर्यटन की नीति बनाई है। पौराणिक मंदिरों को चिन्हित कर उन्हें मानस खंड के रूप में चयनित किया। वह हमारी पहचान और संस्कृति है। उन्होंने कुछ सुझाव भी रखे। विधायक ने कहा, पहाड़ में बंदरों और जंगली जानवर की वजह से खेत बंजर हो रहे हैं। बंदरों की समस्या से निपटने के लिए उनका बंध्याकरण किया जाए। उन्होंने आपदा और सड़कों की समस्या को भी उठाया। विधायक ममता राकेश ने कहा, सरकार ने भगवानपुर क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खोलने का आश्वासन दिया था, लेकिन इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। यदि क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खुलता तो उत्तराखंड के साथ ही यूपी के लोगों को भी इसका लाभ मिलता। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा, क्षेत्र में वैश्विक सम्मेलन के लिए लोगों की दुकानें तोड़ी गई। जिन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया। उप नेता सदन भुवन कापड़ी ने बताया क्षेत्र की कई कंपनियां वापस चली गई हैं।

विधायकों ने उठाया जंगली जानवरों के आतंक का मुद्दा, सात साल में 445 की मौत

देहरादून। उत्तराखंड में 2017 से सात साल में वन्य जीवों के हमले में 445 लोगों की मौत हुई हैं। बुधवार को सदन में विपक्ष की ओर से उठाए गए मुद्दे पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानव-वन्य जीव संघर्ष को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर है। सरकार ने क्विक रिस्पांस टीम गठित कर 1.72 करोड़ की राशि दी है। सरकार ने वन्य जीव हमलों में मुआवजा राशि बढ़ाई है। साथ ही बंदर, लंगूर, ततैया व मधुमक्खी के हमलों पर मुआवजे की व्यवस्था की है। नियम 58 के तहत कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने मानव-वन्य जीव संघर्ष का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वन्य जीवों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने कोई ठोस नीति नहीं बनाई। इसके अलावा विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस विधायक भुवन कापड़ी और गोपाल सिंह राणा ने कहा कि जंगली जानवरों के हमलों से प्रदेश भर में भय का माहौल है। साथ ही किसान खेती करना छोड़ रहे हैं। वन मंत्री ने कहा कि मानव वन्य जीव संघर्ष के लिए 200 करोड़ का कॉर्पस फंड बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कॉर्बेट में बाघों की संख्या 260 हो गई है। हर बार 20 हेक्टेयर फसलें वन्यजीव बर्बाद कर देते हैं। लोग बंदरों के आतंक से परेशान हैं। सुमित हृदयेश ने कहा कि प्रदेश में वन्यजीवों के आतंक से आम आदमी परेशान है। वन्यजीवों को लेकर सरकार नीति लेकर आए। वन्यजीवों के हमलों को रोकने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जाए। बुरांश को लेकर भी उन्होंने कहा कि इस बार दो महीने पहले ही बुरांश का फूल खिल गया। जिसकी एक बड़ी वजह ग्लोबल वॉर्मिंग है। वन्यजीव हमलों पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने जवाब दिया कि सरकार ने 900 फॉरेस्ट गार्ड व 300 वन दरोगाओं की भर्ती की है। वन मंत्री ने बताया कि 2017 से लेकर अब तक वन्य जीव हमलों में 2,110 लोग घायल हुए हैं। जिनके लिए बजट में प्रावधान किया गया है। वन्यजीव मौतों में अन्य जानवरों के अलावा बंदर, ततैया, मधुमखियों को भी शामिल किया गया है। वन्यजीवों द्वारा घरेलू जानवरों की मौत पर भी मुआवजा बढ़ाया गया है। मानव वन्यजीव संघर्ष रोकने को हेल्पलाइन बनाई गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जर्मनी की सरकार से इसको लेकर मदद ली जा रही है।इसके अलावा हमलों में घायल और मौत होने पर मुआवजा राशि में बढ़ोतरी की गई है। मृत्यु होने पर मुआवजा राशि चार लाख से बढ़ा कर छह लाख किया गया। साथ ही गंभीर रूप से घायल को 50 हजार से बढ़ा कर एक लाख, पूर्ण रूप से अपंग होने पर दो लाख से बढ़ा कर तीन लाख किया गया।। 2017 से 25 फरवरी 2024 तक वन्य जीवों के हमले में 445 मौतें हुई। लैपर्ड- 139हाथी- 60टाइगर- 56भालू- 16 सांप के काटने- 161 अन्य वन्य जीवों के हमले में 13 लोगों की मौत हुई है।

हिमाचल प्रदेश से घपले-घोटालों की पौंध लेकर आई सरकार : आर्य

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा सत्र की तीसरे दिन की कार्यवाही चल रही है। विधायक अपने सवाल पूछ रहे हैं। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सदन में घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि सरकार हिमाचल प्रदेश से घपले-घोटालों की पौंध लेकर आई है।घपले-घोटाले व भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सदन में चर्चा हुई नियम 58 में चर्चा की गई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सदन में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हर विभाग में घपला-घोटाला और भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि उद्यान विभाग में ही घपलों की लंबी लिस्ट है।नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि सरकार घपले और घोटालों की पौंध हिमाचल से लेकर आई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि युवा दीपक कगरेती ने लम्बी लड़ाई लड़ी है। उच्च न्यायालय ने कनिका ट्रेडर्स का भुगतान रोकने के आदेश दिए थे। लेकिन विभाग ने कोर्ट के नियमों को ठेंगा दिखाकर भुगतान कर दिया। जिसके बाद हाईकोर्ट ने इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उद्यान घोटाले में सरकार ने एसआईटी जांच के आदेश दिए थे। लेकिन एसआईटी ने जांच में दोषी पाए गए बावेजा और अन्य के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में सीबीआई जांच रूकवाना चाहती है। सरकार ने सीबीआई जांच रूकवाने के लिए याचिका दायर की है। सरकार अधिकारियों को बचाने में लगी है।

सरकार गोवंश को लावारिस छोड़ने वालों के खिलाफ जल्द बनाएगी कानून

देहरादून। प्रदेश सरकार गोवंश को सड़कों पर लावारिस छोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानून बना रही है। साथ ही 70 नई गोशालाएं भी बनाई जा रही हैं। विधानसभा में मंत्री ने इसकी जानकारी दी। शून्य काल के दौरान कांग्रेस विधायक गोपाल सिंह राणा ने लावारिस पशुओं की समस्या उठाते हुए कहा कि ऐसे पशु सड़कों पर रहते हैं, जो सड़क दुर्घटना का बहुत बड़ा कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग गोवंश के अनुपयोगी होने से उसे सड़कों पर छोड़ रहे हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए। जवाब देते हुए पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि निराश्रित पशु मुख्य तौर पर पंचायती राज और शहरी विकास विभाग से जुड़ा विषय है, इसलिए पशुपालन विभाग इन दोनों विभागों के साथ मिलकर सख्त कानून बनाने की तैयारी कर रहा है। बहुगुणा ने कहा कि यूएसनगर में सात एकड़ में बनी नई गोशाला में भी इस समय में 1400 निराश्रित पशु आ गए हैं, इस कारण अब वहां भी पशुओं को रखने में दिक्कत आ रही है। प्रदेश की सड़कों पर करीब 27 हजार निराश्रित पशु हैं, इसलिए सरकार अब 70 नई गोशालाओं का निर्माण कर रही है, अब तक सरकार करीब साढ़े तीन हजार पशुओं को गोशाला भेज चुकी है। **भूमिधरी अधिकार को लेकर सरकार को घेरा :** कांग्रेस विधायकों ने हरिद्वार पथरी में टिहरी बांध विस्थापितों को भूमिधरी अधिकार न मिलने पर सरकार को घेरा। 40 साल बाद भी विधिवत स्वामित्व न मिलने पर सवाल उठाए। कांग्रेस विधायक अनुपमा रावत ने कहा कि टिहरी बांध के लिए 40 साल पहले अपनी घर, जमीन, संस्कृति को राष्ट्र के विकास के लिए छोड़ने वाले बांध विस्थापितों को 40 साल बाद भी भूमिधरी अधिकार न मिलना शर्मनाक है। विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि आज भी पथरी में बांध विस्थापित जिस भूमि पर बसे हुए हैं, वो वन भूमि है। ऐसे में लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक हरीश धामी ने कहा कि धारचूला, मुनस्यारी क्षेत्रों में भी भूमिधरी से जुड़े विषयों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल की अध्यक्षता में गठित समिति की तीन बैठकें हो चुकी हैं। तेजी से प्रक्रिया गतिमान है। जल्द इन सभी प्रकरणों का निस्तारण कर दिया जाएगा।

प्रदेश में नए राशन कार्ड नही बनने से लोग आयुष्मान योजना में मुफ्त इलाज से वंचित

देहरादून। नए राशन कार्ड न बनने पर विपक्ष के साथ अपनों ने भी खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले में मंत्री रेखा आर्य को घेरा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने कहा कई ऐसे गरीब परिवार हैं, जिनका राशन कार्ड नहीं बनाया जा रहा है। साथ ही राशन कार्ड न होने से लोग आयुष्मान योजना में मुफ्त इलाज से वंचित हैं। मंत्री ने कहा, प्राथमिक परिवार और अंत्योदय परिवारों के राशन कार्डों की संख्या केंद्र सरकार ने निर्धारित की है। इससे अधिक राशन कार्ड नहीं बनाए जा सकते हैं। लेकिन राज्य खाद्य योजना के तहत पांच लाख से कम सालाना आय वाले परिवारों का पीला राशन कार्ड बनाए जा रहा है। उन्होंने सदन में राशन कार्ड न बनाने का परीक्षण और जांच का आश्वासन दिया। प्रश्न काल में भाजपा विधायक प्रमोद नैनवाल, बृजभूषण गैरोला ने राशन कार्ड न बनाने का मामला उठाया। इसके साथ कांग्रेस के विधायक प्रीतम सिंह, भाजपा विधायक विनोद चमोली और उमेश शर्मा काऊ ने भी अनुपूरक सवाल किए। विधायक चमोली ने कहा कि बजट भाषण में कहा गया कि प्रदेश में नौ लाख लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए। जब इतने लोग गरीबी से बाहर हो चुके हैं तो बीपीएल राशन कार्ड की संख्या भी कम होनी चाहिए। जिससे पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सके। विधायक उमेश शर्मा काऊ ने कहा कि कोई राशन कार्ड नहीं बन रहे हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए राशन कार्ड का होना अनिवार्य है। ऐसे में लोग इलाज से भी वंचित हो रहे हैं। मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि अपात्र परिवारों को लेकर विभाग ने अभियान शुरू किया था। इसमें 56788 लोगों ने राशन कार्ड सरेंडर किए। इनकी जगह नये पात्र परिवारों को शामिल किया गया। छह माह में 3437 प्राथमिक परिवारों के राशन कार्ड बनाए गए। प्रदेश में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सफेद राशन कार्ड बनाने को 21948 लोगों ने आवेदन किया है। प्राथमिक परिवार (सफेद कार्ड)13,13,327 अंत्योदय परिवार (गुलाबी कार्ड) 18,3,713 राज्य खाद्य योजना (पीला कार्ड) 9,64,444।

कुंभ मेला कोरोना टेस्टिंग फर्जीवाड़ा केस में ईडी ने कसा शिकंजा

देहरादून के लैब संचालक सहित चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून। कुंभ मेला-2021 में कोविड जांच में फर्जीवाड़ा कर देहरादून की लैब ने सरकार से 84 लाख रुपये ले लिए। लैब संचालक ने रैपिड एंटीजन टेस्ट और आरटीपीसीआर टेस्ट रिपोर्ट में फर्जीवाड़ा किया था। इस मामले की ईडी की जांच के बाद पटेलगनर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी तरह के मामलों में तीन लैब संचालकों के खिलाफ हरिद्वार कोतवाली में मुकदमे दर्ज किए गए थे। वहीं हरिद्वार में भी प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट पर ज्वालापुर कोतवाली में रानीपुर मोड़ स्थित नोवस पैथोलॉजी लैब की पार्टनर और उत्तरांचल टेस्ट ट्यूब बेबी की ऑनर डॉ. संध्या शर्मा और अज्ञात लैब संचालक सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने फिलहाल मामले की जांच शुरू कर दी है। हरिद्वार कुंभ मेला में कई लैब को श्रद्धालुओं की कोविड जांच का काम दिया गया था। मेला समापन के बाद पता चला कि लैब संचालकों ने बड़े पैमाने पर कोविड जांच में फर्जीवाड़ा कर सरकार से धन प्राप्त किया था। जांच में पाया गया था कि कि कई श्रद्धालुओं के विभिन्न तिथियों में आरटीपीसीआर व एंटीजन टेस्ट किए गए थे। इसमें कई मरीज ऐसे थे जिनके अलग-अलग पते थे। ऐसे में हरिद्वार कोतवाली में मैक्स कॉरपोरेट सर्विस कुंभ मेला, नलवा लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और डॉ. लाल चंदानी लैब दिल्ली के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। इस प्रकरण में ईडी चंडीगढ़ ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू की गई थी।अब ईडी की जांच में देहरादून कारगी रोड स्थित डीएनए लैब का नाम भी आया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि ईडी के पत्र के आधार पटेलनगर थाने को प्राथमिक जांच के निर्देश दिए गए थे। इस प्रयोगशाला के आईसीएमआर डेटा की जांच की तो पता चला कि आईसीएम आर पोर्टल पर की गई अधिकांश एंट्री नकली थी। एक ही समय पर कई लोगों की जांच दर्शायी गई। इनके पते भी अलग थे। इस तरह लैब ने सरकार से कुल 84.57 लाख रुपये फर्जी तरीके से हासिल कर दिए। प्राथमिक जांच के बाद लैब संचालक दिव्य प्रकाश के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी ने बताया कि मामले में जांच शुरू हो गई है जल्द ही अगली कार्रवाई की जाएगी। कुंभ मेले में आए कई लोगों ने सरकार से शिकायत की थी। श्रद्धालुओं के फोन में जब मैसेज आए तो उन्हें कोविड पॉजिटिव व निगेटिव होने का पता चला। जबकि, इनमें से ज्यादातर श्रद्धालुओं की जांच हुई ही नहीं थी। जांच में पता चला कि चेकपोस्ट पर उनके दस्तावेज तो ले लिए जाते थे, लेकिन जांच नहीं की जाती थी। इसके बा फर्जी रिपोर्ट बनाकर आईसीएमआर पोर्टल पर दर्ज कर दी जाती थी।

पाखरो रेंज घोटाले में आईएफएस सुशांत पटनायक से ईडी ने की पूछताछ

देहरादून। आईएफएस अधिकारी सुशांत पटनायक से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने लंबी पूछताछ की। उन्हें ईडी कार्यालय में तलब किया गया था। अधिकारियों ने उनसे उनके घर से मिले कैश और डॉलर के संबंध में पूछताछ की। पाखरो रेंज घोटाले से जुड़े इस मामले में हरक सिंह रावत को भी (बृहस्पतिवार को) ईडी के समक्ष पेश होना है।बता दें कि पिछले दिनों ईडी ने पाखरो रेंज घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में हरक सिंह रावत और उनके करीबियों के साथ-साथ कई अधिकारियों के घर छापे मारे थे। तीन राज्यों में मारे गए छापों में ईडी को करीब 1.10 करोड़ रुपये नकद, 10 लाख रुपये मूल्य के अमेरिकी डॉलर, 80 लाख रुपये के गहने के साथ प्रॉपर्टी से संबंधित दस्तावेज मिले थे। इनमें से 94 लाख रुपये भारतीय मुद्रा और अमेरिकी डॉलर पटनायक के घर से बरामद हुए थे। पिछले दिनों ईडी ने सभी को बारी-बारी से कार्यालय में पेश होने के लिए कहा था। इस क्रम में पटनायक को बुधवार को बुलाया गया। पटनायक बुधवार दोपहर करीब 12 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। यहां उनसे कई घंटे कैश और डॉलर के संबंध में पूछताछ की गई। अब इस मामले बृहस्पतिवार को पूर्व वनमंत्री हरक सिंह रावत को ईडी के सामने पेश होना है। इससे पहले उनकी करीबी रही लक्ष्मी राणा को मंगलवार को बुलाया गया था लेकिन वह पेश नहीं हो सकी थी। राणा के लॉकर से भी ईडी ने 45 लाख रुपये जब्त किए थे। बता दें कि ईडी ने हरक सिंह रावत के पारिवारिक सदस्यों को भी पूछताछ के लिए तलब किया है।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289, 7088169159

100 से 400 गज तक के प्लाट
100,160, 200 गज विला
खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

जंगल में युवक का शव मिलने से हड़कम्प

गदरपुर(उद संवाददाता)। रामपुर जिले के मिलक खानम कोतवाली इलाके के पीपली वन में लकड़ी बीनने गए युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने युवक की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर मिलकखानम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। घटना मिलकखानम थाना क्षेत्र के पीपली वन की है। उत्तराखंड के थाना केलाखेड़ा के गांव रम्पुरा काजी निवासी 35 वर्षीय सेठ सिंह उर्फ सेठी पुत्र फौजा सिंह अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ लकड़ी बीनने के लिए तहसील क्षेत्र के थाना मिलकखानम स्थित पीपली वन के जंगल में गया था। जब वह दो दिन तक नहीं लौटा तो परिजनों ने केलाखेड़ा पुलिस को सूचना दी। सूचना देने के बाद परिजन स्वयं भी सेठ सिंह की तलाश में पीपली वन क्षेत्र में पहुंचे। जहां खोजबीन के बाद मंगलवार देर रात परिजनों को पीपली वन में सेठ सिंह का शव मिला। मौत की खबर पर परिजनों में कोहराम

मच गया। शव मिलने की सूचना परिजनों ने मिलकखानम पुलिस को दी,जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतक के चचेरे भाई जयपाल सिंह ने बताया कि उनका भाई 25 फरवरी को घर से निकला था लेकिन जब वह वापस नहीं लौटा तो उसकी तलाश की गई। सेठ सिंह का शव पीपली वन क्षेत्र में मिला था और उसकी पीठ पर गोली के निशान थे। फौजा सिंह ने मंगलवार दोपहर को अपने परिजनों एवं अन्य लोगों को साथ लेकर केलाखेड़ा थाने में गुमशुदगी की लिखित शिकायत देकर अपने बेटे सेठ सिंह को ढूंढने की गुहार लगाई थी। पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। फौजा सिंह ने पुलिस को बताया था कि उसका बेटा दो लोगों के साथ जंगल गया था।जब उनका बेटा वापस नहीं लौटा तो उन्होंने उनसे इस बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने जानकारी देने से इनकार कर दिया।परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताई थी।मंगलवार देर रात तलाश के दौरान परिजनों को सेठ सिंह का शव जंगल में मिला।जंगली इलाके में एक युवक की गोली मारकर हत्या किये जाने की सूचना मिली तो पुलिस टीम वन कर्मियों के साथ जंगल में गई। लेकिन जिस नंबर से सूचना आई वह नंबर बंद है। मिलक खानम थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंण्ड

थानाध्यक्ष ने दिलायी नशा मुक्ति की शपथ

किच्छा(उद संवाददाता)।राजकीय महाविद्यालय में आईक्यूएसी कैरियर काउंसलिंग सैल एवं नशा मुक्ति प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में नशे के खिलाफ जागरूकता पर एक दिवसीय गोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० राजीव रतन द्वारा की गई। उन्होने कहा कि अपराधमुक्त स्वस्थ समाज का निर्माण ही शिक्षा का उद्देश्य है। बंद कमरे में केवल किताबी पाठ्यक्रम से संपूर्ण मनुष्यता को प्राप्त नहीं किया जा सकता। पुलिस अधिकारियों द्वारा दिए निर्देशों का पालन करना ही होगा।थानाध्यक्ष सुन्दरम शर्मा द्वारा सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई और कहा कि कानूनों की जानकारी होना स्वस्थ समाज के लिए बेहद जरूरी है। जानकारी के अभाव में गलती करने की छूट नहीं ली जा सकती है। कार्यक्रम में किच्छा महिला हेल्पलाईन प्रभारी नीलम मेहरा जी ने समाज में महिलाओं से संबंधित होने वाले विभिन्न प्रकार के अपराधों व बुराईयों के प्रति जागरूकता हेतु अपने विचार प्रस्तुत किए, साथ ही महिला अधिकारों की सुरक्षा के लिए विविध प्रकार के कानूनों की जानकारी दी।

संजय रावत, परामर्शदाता जिला चिकित्सालय रूद्रपुर व उनके साथ आए हुए स्वास्थ्य टीम के अन्य सदस्यों माया खखरियाल एवं संतोष चंदोला जी ने छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले विभिन्न दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य ने कहा कि अपराधमुक्त स्वस्थ समाज का निर्माण ही शिक्षा का उद्देश्य है। बंद कमरे में केवल किताबी पाठ्यक्रम से संपूर्ण मनुष्यता को प्राप्त नहीं किया जा सकता। पुलिस अधिकारियों द्वारा दिए निर्देशों का पालन करना ही होगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय में चल रहे देवभूमि नशा मुक्ति अभियान की सम्पूर्ण आख्या महाविद्यालय के नशा मुक्ति प्रकोष्ठ के अधिकारी डॉ० उमराव सिंह ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रकाशचंद भट्ट, धन्यवाद ज्ञापन डॉ नरेश कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ० हर्षिता तिवारी, डॉ० किरन बाला, कपिल कुमार, शुभम, कु० लवली पाण्डे, आनंद, गौतम, श्री सोनू आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के विद्यार्थियों ने बनाये अद्भुत मॉडल

सितारगंज (उद संवाददाता)।श्री चौतन्य टेक्नो स्कूल के तत्वाधान में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के जिज्ञासा थीम पर आधारित स्वदेशी और आधुनिक मॉडल तैयार किये। विद्यार्थियों ने सीवी रमन के जन्म दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया है। जिसमें विद्यार्थियों ने रचनात्मक प्रतिभा और बुद्धिमत्ता से जटिल संरचना पर आधारित तकनीक के जरिए आसान मॉडल प्रस्तुत बनाये। यहां पहुंचे अतिथि, अभिभावक स्कूली बच्चों की प्रतिभा और हुनर देखकर बेहद खुश नजर आए। विद्यालय की प्राचार्य अमृता पांडे और एकेडमी के प्रमुख रणदीप सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शनी का शुभारंभ रीजनल इंचार्ज राकेश शर्मा शहर के प्रमुख समाजसेवी राजेश शैली, इंदू शैली ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के आकर्षक मॉडल तैयार किए। जिनमें सामाजिक विज्ञान, गणित, आर्ट क्राफ्ट पर आधारित मॉडल प्रमुख रहे। यहां पहुंचे अतिथियों को रेलवे सेफ्टी रोड, सेफ्टी सौर ऊर्जा,

सैनिटाइजर मशीन, स्मार्ट सिटी, हुमन इयर, वाटर साइकिल, हाइड्रोक्लिक लिफ्ट, सोलर कुकर, एंटी ग्रेविटी व्हील, एसिड रेन, हॉट डबल सर्कुलेशन, वर्किंग मॉडल, हाइड्रोजन फ्यूल, किडनी वर्किंग मॉडल आदि आकर्षण का केंद्र रहे। मुख्य वक्ता राजेश शैली ने कहा कि विज्ञान का मतलब है कि उसके विषय में विशेष जानकारी प्राप्त करना। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन लगातार होते रहने चाहिए। ताकि विद्यार्थियों की प्रतिभा निखर सके। इस दौरान सभी विद्यार्थियों को मुख्य अतिथियों ने प्रमाण पत्र और उपहार देकर पुरस्कृत किया।

प्रदेश की 439 सड़कों के लिए 259 करोड़ मंजूर

देहरादून। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार ने केंद्रीय सड़क अवस्थापना निधि के तहत राज्य की 439 सड़कों के लिए 259 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की है। इस धनराशि से प्रस्तावित सड़कों का नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं सुरक्षात्मक कार्य होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। सीआरआईएफ के तहत मंजूर सड़कों में पौड़ी लोकसभा क्षेत्र की 164 किमी की सात, अल्मोड़ा में 180 किमी की चार तथा टिहरी की 65 किमी की एक एवं नैनीताल की 30 किमी की एक सड़क शामिल है। बता दें कि सीएम धामी ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश की लोक महत्व से जुड़ी इन सड़कों की आवश्यक मरम्मत के लिए सीआरआईएफ के तहत धनराशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न लोक सभा क्षेत्रों के तहत कुल 439 किमी सड़कों के सुधारीकरण सुरक्षा संबंधी कार्य होने से क्षेत्र की जनता के साथ राज्य में आने वाले पर्यटकों को आवागमन में सुविधा होगी।

उत्तराखंड में सात लाख से अधिक किसानों के खातों में पहुंचे 174.65 करोड़ रुपये

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पीएम किसान सम्मान निधि की 16वीं किस्त जारी की है। उत्तराखंड के सात लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 174.65 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की गई। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि सम्मान निधि योजना के तहत राज्य के 7,36,575 किसानों के खातों में 174.65 करोड़ राशि हस्तांतरित की गई। इस योजना के तहत अब तक 2570.4396 करोड़ की राशि अब तक किसानों को दी चुकी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री हमेशा किसानों की आय बढ़ाने और फसल का उचित दाम देने की चिंता करते हैं। राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने क लिए प्रयासरत है। सम्मान निधि योजना का उद्देश्य किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। जिससे वे अधिक फसल उत्पादन कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकें। पात्र किसानों को सालाना 6000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

यूसीसी विधेयक राष्ट्रपति को भेजा

देहरादून। राज्यपाल ने यूसीसी विधेयक राष्ट्रपति को भेजा है। राजभवन ने इस पर विचार करने के बाद विधायी विभाग को भेजा था। विधायी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा गया है। चूंकि यह संविधान की समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए बिल अनुमोदन के लिए राज्यपाल से राष्ट्रपति को भेजा गया। विधानसभा से यूसीसी बिल पास होने के बाद इसे राजभवन भेजा गया। इस पर राष्ट्रपति भवन को फैसला लेना है। वहां से मुहर लगने के बाद राज्य में कानून लागू हो जाएगा। उत्तराखंड के बाद असम की भाजपा सरकार यूसीसी बिल विधानसभा में सबसे पहले पेश कर सकती है। राजस्थान सरकार भी यूसीसी लाने का एलान कर चुकी है। विधेयक में सभी धर्म-समुदायों में विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता और विरासत के लिए एक कानून का प्रावधान है। महिला-पुरुषों को समान अधिकारों की सिफारिश की गई है। अनुसूचित जनजातियों को इस कानून की परिधि से बाहर रखा गया है। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि, देश के पहले गांव माणा में संवाद से ड्राफ्ट समिति ने इसकी शुरुआत की थी। उन्होंने अब अन्य राज्यों को भी इस दिशा में प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा, जिस प्रकार गंगा सबके लिए सुखदायी है, वैसे ही यूसीसी भी मातृशक्ति व पूरे समाज के लिए सुखद होगा।

सर्वसाधारण को सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परिषद की आवास योजना, किच्छा में स्थित दुर्बल आय वर्ग भवन संख्या-ए-292 क्षेत्रफल-38.56 वर्ग मीटर का आवंटन कार्यालय के पत्र संख्या-124 / प्र०प०/दिनांक-28.02.1997 द्वारा श्री नंद लाल पुत्र स्व० श्री गुरदास मल के पक्ष में किया गया था। आबंटी द्वारा उक्त भवन का भौतिक कब्जा परिषद से दिनांक 01.04.1997 को प्राप्त किया गया था। श्री पुरुषोत्तम लाल ने अपने प्रार्थना पत्र के द्वारा सूचित किया है कि उनके पिता श्री नंद लाल पुत्र स्व० श्री गुरदास मल की मृत्यु दिनांक-24.11.2006 को हो गयी है, तथा अपने श्री पुरुषोत्तम लाल पुत्र स्व० श्री नंद लाल के पक्ष में उक्त भवन का अन्तरण कराना चाहते है। यदि किसी व्यक्ति को परिषद की आवास योजना, किच्छा में स्थित दुर्बल आय वर्ग भवन संख्या- ए-292 का अन्तरण श्री पुरूषोत्तम लाल पुत्र स्व० श्री नंद लाल के पक्ष में किये जाने में कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति की तिथि से 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति विधि साक्ष्यों, प्रमाण पत्रों सहित कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी, उत्तराखण्ड आवास एवं विकास परिषद्, आवास विकास कालोनी, जसपुर, उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड, में प्रस्तुत करने का कष्ट करें। उक्त निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर परिषद नियमानुसार उक्त भवन का अन्तरण श्री पुरुषोत्तम लाल पुत्र स्व० श्री नंद लाल के पक्ष में कर दिया जायेगा तथा बाद में किसी व्यक्ति का किसी प्रकार का कोई भी क्लेम (दावा) परिषद को मान्य नहीं होगा।

अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड आवास एवं विकास परिषद

महेंद्र प्रदेश सह संयोजक बने

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव की प्रबंधक समिति मे कार्यकर्ताओं को ध्यान में रखते हुए उनको बड़ी जिम्मेदारी दी जा रही है।प्रदेश संयोजक मछुआरा प्रकोष्ठ महेंद्र कश्यप को पार्टी ने लोकसभा चुनाव मे बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति में जोगी झोपड़ियां अभियान का प्रदेश सहयोजक बनाया गया है। आगामी चुनाव में पांचो लोकसभा सीटों में पार्टी ने सभी वर्गो का ध्यान में रखते हुए और उनका विकास का लक्ष्य ध्यान में रखते हुए घर-घर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता को पहुंचाने का प्रयास किया गया है। हर वर्ग को भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा से जोड़ने का ध्यान में रखते हुए पार्टी ने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

शराब समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। नशे के खिलाफ चलाएं अभियान के क्रम में पुलिस ने अलग-अलग स्थान से अवैध कच्ची शराब की तीन कारोबारी को दबोच कर उनके कब्जे से लगभग 47 लीटर कच्ची शराब बरामद किया। ढीमरखेड़ा रोड स्थित बाजवा ट्रेडर्स की दुकान के समीप से हरगनिया कॉलोनी टांडा उज्जैन निवासी के पुत्र राधेश्याम को पुलिस ने दबोच कर उसके कब्जे से 42 पाउच लगभग 12 लीटर कच्ची शराब बरामद किया। इसी तरह पुलिस ने दढियाल बस अड्डे के पास से टांडा उज्जैन निवासी कंचन पुत्र लाल सिंह को दबोच कर उसके कब्जे से 30 पाउच कच्ची शराब बरामद किया। इसी तरह कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान एक पोल्ट्री फार्म के पास से गांधीनगर कुंडेश्वरी निवासी जगतार सिंह पुत्र दलबीर सिंह को पकड़ कर उसके कब्जे से 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया। इस तरह तीनों शराब कारोबारी से पुलिस ने लगभग 47 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की।

लोकसभा चुनाव के लिए प्रदेश की सीमा पर होगी कड़ी चौकसी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु अन्तर्राज्यीय सीमावर्ती जनपदो के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ आपसी समन्वय बनाये रखने, शांति व्यवस्था, सहयोग बनाये रखने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक स्थनीय होटल में आयोजित हुई। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोक सभा सामान्य निर्वाचन शीघ्र है इसलिए निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन को शांतिपूर्ण व निर्वाध सम्पन्न कराने हेतु अन्तराज्यीय सीमावर्ती जनपदों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई है। उन्होने कहा उत्तर प्रदेश के पांच जनपद उधमसिंह नगर की सीमाओं से लगे है। इसलिए सभी जनपदों से निर्वाचन में सहयोग समन्वय करने, सीमाओं पर कानून व्यवस्था, चैक पोस्ट, अवैध मदीरा की तस्करी, जनपदीय सीमाओं पर

वैरियर एवं सीसीटीवी व्यवस्था कर निर्वाचन को शांतिपूर्ण निर्वाध सम्पन्न कराने में समन्वय व पूर्ण सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर क्रिटिकल व वर्नेवल क्षेत्र/बूथ चिन्हित है, उनमे विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया साथ ही समावर्ती ग्रामों में शिफ्गिं मतदाताओं, अपराधियों, शराब माफियों पर पूर्ण रोक लगाना भी होगा। उन्होने कहा हम सभी निर्वाचन आयोग के अधीन है इसलिये आपसी समन्वय बनाकर निर्वाचन सकुशल सम्नन्न कराना है। उन्होंने सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं आपस में आदान-प्रदान करने को कहा व सभी सीमावर्ती उप जिलाधिकारियों को भी आपस में समन्वय बैठक करने के निर्देश भी दिये। जिलाधिकारी मुरादाबाद मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि निर्वाचन में पूर्ण सहयोग व समन्वय के साथ कार्य किया जायेगा। उन्होने कहा मुरादाबाद जिले के तहसील सदर व ठाकुरद्वारा उधमसिंह नगर व नैनीताल जिले की सीमाओं से लगता है जिसमे 11 जगह वैरियर लगाये जायेगें। अपराधिक, ड्रग्स, शराब को रोकने में भी समन्वय बनाते हुए कार्य किया जायेगा। उन्होने कहा सभी अधिकारियों के फोन नम्बर आपस में शेयर किये जायेगें। नोडल अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से देते हुए बताया कि जनपद में कुल 13,17,741 मतदाता है व सुलभ मतदान हेतु 805 मतदान केन्द्र बनाये गये है जिनमे कुल 1464 मतदान बूथ बनाये गये है। उन्होने बताया कि उत्तर प्रदेश की पांच जिलो की सीमाओ से लगे कुल 134 बूथ आते है जिनमे 121994 मतदाता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने बताया कि जनपद में क्रिटिकल एवं वर्नेवल बूथ चिन्हित है तथा शास्त्रों का सत्यापन किया जा चुका है। उन्होने बताया अन्तर्राज्यीय सीमाओं पर 57 वैरियर लगाये जाते है तथा छोटे-छोटे चोर रास्ते भी चिन्हित किये जा रहे है, जिनमे भी पैनी नजर रखी जायेगी। उन्होने कहा कि सहयोग व समन्वय से कार्य कर निर्वाचन सम्पन्न कराया जायेगा। बैठक में वर्चुअल माध्यम से एसपी बरेली सुशील गुले, एसपी बिजनौर नीरज जादौन एसपी पीलीभीत अतुल शर्मा जुड़े थे एवं अपर जिलाधिकारी बरेली सौरभ दूबे, पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र मिश्र, पुलिस अधीक्षक यातायात मुरादाबाद सुभाष गंगवार, एसपी बिजनौर धर्म सिंह मार्शल, उप जिलाधिकारी बिलासपुर हिमांशु उपाध्याय, उप जिलाधिकारी धामपुर रीतू रानी, अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यूएस नगर अशोक कुमार जोशी, पंकज उपाध्याय, एसपी मनोज कत्याल, नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, रविन्द्र सिंह बिष्ट, गौरव पाण्डेय,अभय प्रताप सिंह, गौरव चटवाल , राकेश चन्द्र तिवारी आदि उपस्थित थे।

दीक्षा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। गौलापार निवासी दीक्षा दुमका को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से नि)गुरमीत सिंह द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। देश में वैज्ञानिक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 8-9 फरवरी को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में यूकॉस्ट द्वारा 18वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूएसएसटीसी) का आयोजन किया गया था। जिस में गौलापार निवासी और वर्तमान में एनआईटी श्रीनगर उत्तराखंड की शोधार्थी दीक्षा दुम्का को गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य कराए हेतु युवा वैज्ञानिक पुरस्कार हेतु चयनित किया। जिसके बाद गत दिवस उत्तराखंड के राज्यपाल ने उन्हे इस सम्मान से सम्मानित किया।

दीक्षा का चयन पूरे देश भर से आमंत्रित शोध कार्यों में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों में से स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा सभी के शोध पत्र प्रस्तुतिकरण और साक्षात्कार के उपरांत चयनित किया गया। दीक्षा वर्तमान में गौलापार, हल्द्वानी की रहने वाली है। उनके पिता बीबी दुमका व्यवसायी हैं तथा माता गीता दुम्का एक गृहिणी हैं। दीक्षा ने गणित विषय से स्नाकोत्तर की पढ़ाई एनआईटी जमशेदपुर से की थी और अभी डॉ. कुसुम शर्मा के निर्देशन में शोध कार्य कर रही है। जिसमे उनका शोध का विषय सन्निकटन सिद्धांत और सारांश है। वह अपनी पर्यवेक्षक डॉ. कुसुम शर्मा, अपने गुरु डॉ. सुरेंद्र विक्रम सिंह पडियार की निरंतर प्रेरणा और मार्गदर्शन के लिए आभारी है। साथ ही उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरुओं, परिवार के सदस्यों को दिया। उन्होंने बताया कि इन सभी के सहयोग और मार्गदर्शन के बिना कुछ भी उपलब्धियां संभव नही है। दीक्षा की इस उपलब्धि के उनके क्षेत्र में खुशी की लहर है और शिक्षा जगत से अनेक विशिष्ट जनों ने उनकी इस उपलब्धि पर उन्हे शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी।

धूमधाम से निकली भव्य शोभा यात्रा

रूदपुर(उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप स्थित नारायण कॉलोनी लमरा गांव में श्री गोपाल कृष्ण और राधा रानी विवाह संपन्न हुआ। इससे पूर्व बड़ी संख्या में लोगों ने भव्य शोभा यात्रा में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने भी अपने

अन्य साथियों के साथ प्रतिभाग किया, और श्री गोपाल एवं राधा देवी विवाह समारोह में प्रतिभाग किया। यहां पहुंचने पर श्रीमती शर्मा का फूल मालाएं पहनाकर एवं पीत वस्त्र डालकर भव्य स्वागत किया। इधर धूम धड़ाके, आतिशबाजी, और बैंड बाजों के साथ निकाली भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोग झूमते नजर आए। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में रामाधारी गंगवार, रामप्रसाद,दिनेश मौर्य,एमवपीव मौर्य, सुदर्शन शर्मा, अरविंद सक्सेना, सुनीता सैनी, रामदेव, जुगल किशोर मिश्रा, आकाश मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

कनाडा में फंसा युवक सुखीजा और भट्ट के प्रयास से सकुशल घर लौटा

गदरपुर (उद संवाददाता)। पिछले करीब एक वर्ष से विदेश में भटक रहा बाजपुर क्षेत्र का एक युवक केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट और भाजपा जिलाध्यक्ष करणवीर सिंह संधू पढ़ाई के लिए कनाडा गया था और वहां अस्वस्थ होने के कारण दर-दर भटकने को मजबूर हो गया। उसके सारे दस्तावेज भी खो गए थे और अवगत कराया। केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट के प्रयासों से केन्द्र सरकार ने मामले में त्वरित कार्रवाई की और करणवीर सरकार के खर्चे पर वापस अपने परिवार

गुंजन सुखीजा के प्रयासों से सकुशल घर लौट आया है। युवक की सकुशल वापसी पर परिजनों ने राहत की सांस ली और केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट एवं भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा का आभार व्यक्त किया। बता दें 2018 में बाजपुर से पिछले लगभग 1 साल से परिवार से उसका संपर्क नहीं हो पाया था। लगभग एक महीना पूर्व उनके परिवार ने जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा से संपर्क किया। जिसके बाद गुंजन सुखीजा ने सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट को पूरे मामले से के पास लौट आया है। करणवीर के वापस घर लौटने पर जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने उनके निवास पर पहुंचकर युवक का हाल जाना। इस दौरान परिवारजनों एवं रिश्तेदारों ने सुखीजा और अजय भट्ट का आभार प्रकट किया।

सिख समाज ने किया सांसद अजय भट्ट का स्वागत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री व नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट का बेल बाबा स्थित गुरुद्वारे कुमाऊं संभाग कार्यालय पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री श्री भट्ट का पार्टी कार्यकर्ताओं स्थानीय लोगों व सिख बंधओ व्यापारी भाइयों जनप्रतिनिधियों ने तक लगातार उनके द्वारा पैरवी किए जाने के बाद रेल मंत्रालय ने लालकुआं से अमृतसर के लिए रेल संचालन को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में यह ट्रेन

में सिख भाइयों द्वारा और बाद में भाजपा कार्यालय में सिख बंधुओ सहित पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आम जनता ने स्वागत किया और लालकुआं से अमृतसर के लिए रेल संचालन को हरी झंडी दिए जाने पर आभार जताया। जोरदार स्वागत किया। उन्होंने लाल कुआं से अमृतसर के लिए रेल संचालन को मंजूरी दिए जाने पर उनका आभार जताया। इस दौरान श्री भट्ट ने स्वागत करने आए लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सदन से लेकर रेल मंत्रालय लालकुआं से चलेगी। श्री भट्ट ने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से व्यापार से लेकर यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री श्री भट्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया।

श्रद्धा के साथ मनाई भाानु प्रकाश जी की पुण्यतिथि

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मोहल्ला खेड़ा में श्री नन्दाचौर पीठ के ओम बापू मन्दिर में पीठ के प्रमुख गुरुजी स्वर्गीय भानुप्रकाशजी की 25वीं पुण्यतिथि बड़ी ही श्रद्धा एवं अकीकदत से मनाई गई। तीन दिन तक चले समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। तीन दिन तक चले कार्यक्रम में श्री नन्दा चौर साहब पीठ के प्रमुख गुरुजी श्री रविंद्रजी ने ईश्वर भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं का आह्वान किया कि वे जीवन के हर पल में ईश्वर को हमेशा स्मरण रखें और ईश्वर को कभी ना भूलें हर सुख दुःख ईश्वर का ही प्रसाद है वे ही जग का पालनहार है , दिल्ली शाखा प्रमुख श्री सत्यपाल जी तथा दुर्गालां (पँजाब) शाखा प्रमुख श्री पवनपुजारा जी ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा हमें ईश्वर की राह पर गुरुमहाराज जी ही ले जाते हैं उनका दिखाया रास्ता ही हमें नया प्रकाश दिखाता है, श्री पवनपुजारा जी ने समाज में व्याप्त अन्धविशवासों को त्यागने का आह्वान किया उन्होंने कहा हमारे महान गुरुओं ने हमे यही शिक्षा दी है और मानव का मानव से कोई भेद नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम के उपरान्त संगत को लँगर प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में नगर के प्रमुख समाजसेवी महेश छाबड़ा, विजय जग्गा, सुशील कुमार घीक, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष तथा रुद्रपुर पूर्वी के व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, श्रीमती नीलम छाबड़ा, सुलक्षणा पुंशी, शिखा जग्गा, राजकुमार भुड्डी, राजेश तनेजा, ओमैक्स सोसायटी के सचिव अभिनव छाबड़ा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, सन्नी पुंशी ,अंशुल छाबड़ा, राकेश तनेजा, रुचितनेजा, गौरव मदान, शिवम जग्गा, लोकतंत्र सेनानी सुभाष चन्द्र छाबड़ा समेत हजारों लोगों ने शिरकत कर सुंदरकांड पाठ तथा अन्य कार्यक्रमों में अपनी हाजरी लगाई और संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

गंगाजल लेने कांवड़ियों का जत्था रवाना

काशीपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड की सबसे बड़ी शिव कावर को भाजपा नेता दीपक बाली ने पूजा अर्चना के बाद हरिद्वार के लिए रवाना किया और कावर लाने वाले सभी शिव भक्तों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। यह कावर सात मार्च को नगर में पहुंचेगी और पहली बार यह नगर से होते हुए मोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। कावर रवाना होने के समय नगर के सैकड़ो गणमान्य लोग और आम जन मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से नगर के मोहल्ला कटरा मालियांन से उत्तराखंड की सबसे बड़ी कावर लेकर काशीपुर के शिव भक्त शिवरात्रि के अवसर पर हरिद्वार गंगा जल लेने जाते हैं। इस बार भी यह कावर करीब ढाई कुंतल की है जिसे एक साथ 12 शिव भक्त उठाएंगे। शिव भक्तों के महंत भानु कश्यप, सनी कश्यप, सागर कश्यप, शिवम कश्यप,उदित कश्यप ,अजय तोमर,जोनी तोमर ने बताया कि इस कावर को लाने वाले शिव भक्तों के जत्थे में 40 शिव भक्त शामिल हैं जो बारी-बारी से कावर को लेकर आएंगे ।कावर को भव्य ढंग से सजाया गया है जिसमें बिजली की झालरें भी लगाई गई हैं। यह कावर इतनी बड़ी होती है की पुलिस इसे शहर के मध्य से होकर नहीं आने देती जिस कारण नगर वासी इस कावर को देखने से वंचित रह जाते हैं लेकिन इस बार भाजपा नेता दीपक बाली ने शिव भक्तों को विश्वास दिलाया है कि वह खुद 7 मार्च को नगर में पहुंचने वाली इस कावर का गंगे बाबा के पास शानदार स्वागत करेंगे और फिर इसे किला बाजार की तरफ से मुख्य बाजार होते हुए शहर के बीच से लाएगे ताकि नगरवासी भी इसके दर्शन कर पूण्य लाभ कमा सकें। श्री बाली के इस विश्वास देने से कावड़ लाने वाले शिव भक्तों में अपार खुशी महसूस की गई। इस मौके पर क्षेत्र की तमाम गणमान्य तथा जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

यही समय है, सही समय है, उत्तराखण्ड में निवेश का

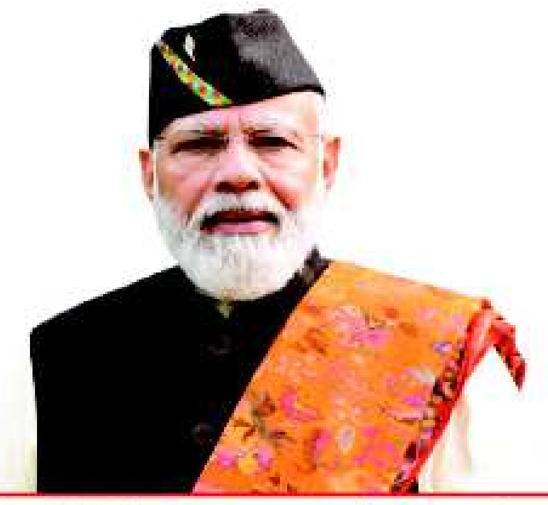

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
Peace To Prosperity

"मानीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड की आर्थिकी और पर्यटन विकास में वृद्धि हुई है। हमारा राज्य व्यापार के लिए सदैव खुला है, जो निवेशकों को व्यापक अवसर प्रदान करता है। सुव्यवस्थित उद्योग की मंजूरी से लेकर निवेशकों को प्रोत्साहित करने तक हम सदैव प्रतिबद्ध हैं। अपने उद्यमों के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। आइये मिलकर उत्तराखण्ड के भविष्य को नया आकार प्रदान करें।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं शताब्दी का ये तीसरा दशक, उत्तराखण्ड का दशक है। उत्तराखण्ड एक ऐसा राज्य है, जहां दिव्यता और विकास एक साथ महसूस होता है। यह दिन दूर नहीं, जब दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी ढाई घंटे की रह जाएगी। देहरादून और पंतनगर हवाई अड्डे के विस्तार से हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रदेश में हेली-टैक्सी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है तथा रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ किया जा रहा है। यह सब कृषि, उद्योग, लॉजिस्टिक्स, भंडारण, पर्यटन और आतिथ्य के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। वहीं, हाउस ऑफ हिमालयाज वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल की हमारी अवधारणा को और मजबूत करता है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

- उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 सफलतापूर्वक संपन्न
- निवेश के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर
- 44 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ
- सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री धामी और राज्य प्रशासन को मिली बधाई
- 'मेक इन इंडिया' की तर्ज पर 'वेड इन इंडिया' आंदोलन शुरू करने का प्रस्ताव
- ब्रांड हाउस ऑफ हिमालयाज लॉंच
- 30 से अधिक नीतियां लागू करके नीति-संचालित राज्य का सम्मान
- उत्तराखण्ड में भव्य कन्वेंशन सेंटर के निर्माण की योजना

दुनियाभर के निवेशकों की पहली पसंद बनता उत्तराखण्ड आज निवेश की नई ऊंचाइयां छू रहा है। प्रदेश में निवेश की रफ्तार बढ़ाने के उद्देश्य से 8-9 दिसंबर को 'उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह राज्य को नए निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में कारगर कदम साबित हुआ। इस सम्मेलन में दुनियाभर के हजारों निवेशकों और प्रतिनिधियों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कई अन्य केंद्रीय एवं राज्य मंत्री, दुनियाभर के बड़े-बड़े उद्योगपति, व्यवसाय जगत से जुड़ी सुप्रसिद्ध हस्तियां, विभिन्न देशों के नेता, 15 देशों के राजदूत और 5 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पीस टू प्रोस्पेरिटी (शांति से समृद्धि)' थीम पर आधारित इस समिट का मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड को निवेश का गंतव्य प्रदेश बनाना है।

'उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' की ऐतिहासिक सफलता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरगामी विजन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक परिश्रम का परिणाम है। प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने 'वाइब्रेंट गुजरात' नाम से इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन शुरू किया था। उसी से प्रेरित होकर राज्य सरकार द्वारा 'डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड' की थीम पर इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन राज्य को नए निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में कारगर कदम साबित हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक प्रयासों की बदौलत इस कार्यक्रम को उम्मीद से परे सफल बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड की अप्रयुक्त क्षमता पर प्रकाश डालते हुए निवेशकों से इसका अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया है। राज्य सरकार जहां स्थानीय वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है, वहीं भारत सरकार उत्तराखण्ड में अभूतपूर्व निवेश कर रही है।

8-9 दिसंबर को देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। समिट के उद्घाटन के साथ-साथ उन्होंने सशक्त उत्तराखण्ड पुस्तक और 'ब्रांड-हाउस ऑफ हिमालयाज' को भी लॉन्च किया। वहीं, 9 दिसंबर को उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति ने दुनियाभर के निवेशकों का हौसला बढ़ाया। समिट के उद्घाटन सत्र में कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित हुए। इसमें भारत सरकार के तीन केंद्रीय मंत्रियों के साथ ही उत्तराखण्ड सरकार के 7 कैबिनेट मंत्री, सभी पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में 8 प्रमुख वक्ता के रूप में देश के प्रमुख उद्योगपति शामिल रहे। 15 राजदूत, हेड ऑफ मिशन-स्पेन, स्लोवेनिया, नेपाल, क्यूबा, ग्रीस, ऑस्ट्रिया, जापान, सऊदी अरब आदि शामिल रहे। वहीं, 9 दिसंबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के समापन सत्र में प्रतिभाग किया।

'डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड' का मुख्य उद्देश्य ग्रीन इकोनॉमी और रोजगार के साथ इकोलॉजी एवं इकोनॉमी के समन्वय द्वारा राज्य का समग्र विकास करना है। इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ढाई लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को प्राप्त करने का लक्ष्य था। जिसके सापेक्ष निवेश के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अभी तक निर्धारित लक्ष्य से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर समझौते हो चुके हैं। इनमें से अब तक 44 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इससे प्रदेश में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। उद्योग समूहों के साथ एमओयू साइन किए जाने का कार्य गतिमान है। सरकार निवेश के जरिए राज्य में रोजगार सृजन एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के तहत अभी तक तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड में निवेशकों द्वारा जो रुचि दिखाई गई है, इससे राज्य की प्रगति में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। प्रदेश में हेल्थ, वेलनेस, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, फार्मा और ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इसलिए, इन क्षेत्रों में विशेष फोकस किया जा रहा है। राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए नीतियों को सरल बनाया गया है। निवेशकों के सुझावों के आधार पर 27 नई नीतियां तैयार की गई हैं।

समिट में निवेश बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा एवं बातचीत हुई। उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राज्य सरकार ने जिन निवेशकों से निवेश के लिए एमओयू साइन किए हैं, उनमें प्रमुखतः टूरिज्म हॉस्पिटेलिटी, आयुष वेलनेस, मैन्युफैक्चरिंग, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, रियल एस्टेट-इंफ्रा, पंप स्टोरेज, ग्रीन एंड रिन्यूएबल एनर्जी एवं ऑटोमोबाइल सेक्टर शामिल हैं। उत्तराखण्ड में निहित शिक्षा सामर्थ्य को संवारने के लिए इन्वेस्टर्स समिट के तहत विद्यालयी, तकनीकी और उच्च शिक्षा का द्वितीय सत्र निवेशकों के साथ आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री शोध प्रोत्साहन योजना के जरिए राज्य के उच्च शिक्षण संस्थाओं में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों और शोधार्थियों को 18 लाख रुपए तक का शोध अनुदान दिया जा रहा है।

'मेक इन इंडिया' की तर्ज पर शुरू करें 'वेड इन इंडिया': पीएम मोदी

धार्मिक, आध्यात्मिक, हसीन वादियों, हरे-भरे और बर्फीले पर्वतों का गढ़ है देवभूमि उत्तराखण्ड। जो बेहतर कनेक्टिविटी, शानदार इन्फ्रास्ट्रक्चर और सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। धामी सरकार राज्य में तीर्थाटन और पर्यटन के साथ-साथ डेस्टिनेशन वेडिंग की परंपरा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है और इससे संबंधित सुविधाएं लगातार विकसित की जा रही हैं। लोग उत्तराखण्ड के पवित्र धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों पर डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजित करने में दिलचस्पी ले रहे हैं। पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद, यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में उत्तराखण्ड 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के गंतव्य के रूप में अपनी जगह बना सकता है।

देवभूमि उत्तराखण्ड वह पवित्र स्थल है, जो अपने विवाह समारोह के लिए प्रसिद्ध है। उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जिले के त्रियुगीनारायण गांव में स्थित श्री त्रियुगीनारायण मंदिर उनमें से एक है। ऐसी मान्यता है कि यही वह स्थान है, जहां भगवान शिव ने माता पार्वती के साथ सात फेरे लिए थे। यही कारण है कि यहां प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में जोड़ियां शादी के पवित्र बंधन में बंधते हैं। यह स्थान डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में नई पहचान बना रहा है।

इसी प्रकार, धर्मनगरी हरिद्वार के शांतिकुंज में हर साल बड़ी संख्या में जोड़े विधि-विधान के साथ जन्म-जन्मांतर की डोर में बंधते हैं। तीर्थनगरी ऋषिकेश की बात की जाए तो मौजूदा समय में यह स्थल देश-विदेश के युवाओं के लिए प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। मसूरी, नैनीताल और रामनगर सभी आलीशान सुख-सुविधाओं से संपन्न स्थलों में एक है, जिसके वेडिंग डेस्टिनेशन का चलन देश-विदेश तक बढ़ रहा है। प्रकृति की गोद में विवाह करने के लिए उत्तराखण्ड में औली जैसे हिल स्टेशन यानी 'मिनी स्विट्जरलैंड' भी है।

उत्तराखण्ड में पर्यटन और तीर्थाटन की विकसित सुविधाओं की वजह से यहां वेडिंग डेस्टिनेशन के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के 'वेड इन इंडिया' के नारे के बाद अब यह उम्मीद जताई जा रही है कि धामी सरकार इस मुहिम की दिशा में तेज गति से काम करेगी। 'वेड इन इंडिया' आंदोलन आने वाले समय में उत्तराखण्ड को वेडिंग के लिए सबसे परफेक्ट डेस्टिनेशन के रूप में पहचान दिलाएगा। इससे स्थानीय कारोबार में वृद्धि के साथ आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।

उत्तराखण्ड सरकार की प्रमुख नीतियां

प्रमुख नीतियाँ

- सेवा क्षेत्र नीति 2023
- सौर ऊर्जा नीति 2023
- एमएसएमई नीति 2023
- स्टार्ट-अप नीति 2023
- कस्टमाइज्ड पैकेज
- लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2023
- फिल्म नीति 2015 (2019 में संशोधित)
- निजी औद्योगिक पार्क नीति 2023
- वृहद् औद्योगिक नीति 2015
- निर्यात नीति 2021
- पर्यटन नीति 2023-30
- ड्रोन नीति 2023
- सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2019
- आयुष एवं वेलनेस नीति
- जैव प्रौद्योगिकी नीति 2018-23
- खाद्य प्रसंस्करण नीति
- पंप भंडारण परियोजना नीति 2023

रोड शो के जरिए उम्मीद से परे निवेश

'उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 की अभूतपूर्व सफलता की वजह से आज उत्तराखण्ड दुनियाभर के निवेशकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इस विश्वस्तरीय निवेश शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा महीनों बड़ी जोरशोर से तैयारियां की गई थी। इसके प्रचार-प्रसार के लिए देश-विदेश में कई रोड शो किए गए थे, जिनमें 3 अंतर्राष्ट्रीय और 7 घरेलू रोड शो शामिल हैं।

3 अंतर्राष्ट्रीय रोड शो जहां लंदन, बर्मिंघम और दुबई में आयोजित किए गए, वहीं 7 घरेलू रोड शो दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और मुंबई में आयोजित हुए। दरअसल, ऐतिहासिक उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के भव्य आयोजन से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निरंतर कई प्रयास किए गए।

यह उसी कठिन परिश्रम का परिणाम था कि समिट के आयोजन से पहले ही 14 सितंबर-4 अक्टूबर, 2023 को धामी सरकार द्वारा दिल्ली में 26,575 करोड़ रुपए, 26-28 सितंबर को लंदन में 12,500 करोड़ रुपए, 17-18 अक्टूबर को दुबई में 15,475 करोड़ रुपए के निवेश का करार हुआ। वहीं, रोड शो के दौरान 26 अक्टूबर को चेन्नई में 10,150 करोड़ रुपए, 28 अक्टूबर को बेंगलुरु में 4,600 करोड़ रुपए, 1 नवंबर को अहमदाबाद में 24,000 करोड़ रुपए और 6 नवंबर को मुंबई में 30,200 करोड़ रुपए के एमओयू हस्ताक्षरित हुए।

उत्तराखंड पुलिस ने 2023 में की वाहन चालानों से 43.52 करोड़ की कमाई

2023 में सी.पी.यू ने 1.14 लाख तथा अन्य पुलिस ने 7.28 लाख किये चालान

काशीपुर(उद संवाददाता)। वर्ष 2023 में उत्तराखंड पुलिस ने 8 लाख 42 हजार वाहन चालान करके 43 करोड़ 52 लाख रूपये का जुर्माना (संयोजन शुल्क) वसूल किया। यह खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट को पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट ने पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड के लोक सूचना अधिकारी से 2023 में पुलिस द्वारा किये गये वाहन चालानों तथा वसूले गये जुर्माने (संयोजन शुल्क) की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में पुलिस मुख्यालय की लोक सूचना अधिकारी/अपर पुलिस अधीक्षक (कार्मिक) शाहजहां जावेद खान ने अपने पत्रांक 647 के साथ पुलिस महानिरीक्षक/ निदेशक यातायात उत्तराखंड मुख्तार मोहसिन द्वारा उपलब्ध कराये गये विवरणों की प्रतियां उपलब्ध करायी है। श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड पुलिस ने 2023 में कुल 8 लाख 42 हजार वाहन चालान किये है जिसमें 1 लाख 14 हजार चालान सी.पी.यू. की 4 जिलों की यूनिटों द्वारा तथा 7 लाख 28 हजार चालान अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा किये गये है। इन चालानों पर पुलिस द्वारा कुल 43 करोड़ 52 लाख का जुर्माना (संयोजन शुल्क) वसूला गया है। इसमें सी.पी.यू. द्वारा 3 करोड़ 14 लाख तथा अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा 40 करोड़ 38 लाख का संयोजन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया है। सी.पी.यू. द्वारा किये गये चालानों में सर्वाधिक 33 हजार चालान उधमसिंह नगर जिले की यूनिटों द्वारा किये गये है तथा 77 लाख का जुर्माना वसूला गया है, जबकि दूसरे स्थान पर देहरादून व हरिद्वार जिले की यूनिटों ने 32-32 हजार चालान किये व क्रमश: 87 लाख तथा 80 लाख का जुर्माना वसूला गया है। नैनीताल जिले की यूनिट द्वारा 17 हजार चालान किये गये तथा 70 लाख रूपये का जुर्माना वसूला गया है। सी.पी.यू. के अतिरिक्त अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा किये गये चालानों में सर्वाधिक 2 लाख 6 हजार चालान देहरादून जिले में किये तथा 15 लाख जुर्माना वसूला गया, उधमसिंह नगर जिले में 1 लाख 16 हजार चालान तथा जुर्माना 6 करोड 25 लाख,ƒ उत्तरकाशी जिले में 8 हजार चालान 38 लाख जुर्माना, टिहरी जिले में 73 हजार चालान, 3 करोड़ 63 लाख का जुर्माना, चमोली जिले में 16 हजार चालान तथा 99 लाख जुर्माना, रूद्रप्रयाग जिले में 11 हजार चालान तथा 57 लाख जुर्माना, पौड़ी जिले में 45 हजार चालान 2 करोड़ 6 लाख जुर्माना, हरिद्वार जिले में 90 हजार चालान, 2 करोड़ 98 लाख जुर्माना, नैनीताल जिले में 81 हजार चालान, 4 करोड़ 58 लाख जुर्माना, अल्मोड़ा जिले में 25 हजार चालान, 1 करोड़ 50 लाख जुर्माना, बागेश्वर जिले में 12 हजार चालान, 57 लाख जुर्माना, पिथौरागढ़ जिले में 27 हजार चालान तथा 1 करोड़ 8 लाख जुर्माना, तथा चम्पावत जिले में 18 हजार चालान किये गये तथा 79 लाख रूपये का शमन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया है।

उत्तरांचल दर्पण

सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

देवभूमि में भिक्षावृति का दंश

देवभूमि राज्य में नाबालिग बच्चों व महिलाओं द्वारा की जाने वाली भिक्षावृति सरकार के लिए पिछले कई दशकों से चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसा भी नहीं कि सरकार द्वारा इस पर प्रभावी ढ़ग से रोक लगाने के लिए ठोस कदम न उठायें गये हों। परंतु सम्बधित विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों के साथ ही सरकार द्वारा भी इस समस्या को गंभीरता से न लेने के कारण यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। विशेषकर पर्यटक स्थलों व धार्मिक स्थानों के साथ ही बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, बाजार, सिनेमाघरों, विभिन्न आयोजन स्थलों के आस पास भिक्षावृति में लगे बच्चे व महिलायें हमेशा दिखाई देते हैं। इससे देश विदेश से देवभूमि में आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं के सामने राज्य की छवि प्रभावित होती है। हांलांकि संविधान में भिक्षावृति करना या करवाना प्रतिबंधित है। बावजूद इसके प्रदेश के सभी शहरों में व ग्रामों में तमाम लोग अलग अलग रूपों में भिक्षा मांगते नजर आते रहते हैं। जहां कई लोगों को गरीबी के कारण भिक्षावृति करने को मजबूर होना पड़ता है तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों ने बच्चों से भिक्षावृति करवाकर अपना रोजगार बना रखा है। देवभूमि में भिक्षावृति जुड़े लोग राज्य के ही निवासी हों ऐसा भी नहीं हैं अधिकांश लोग राज्य के बाहर के ही निवासी है। जिनकी जांच पड़ताल के लिए शासन प्रशासन व विभागीय अधिकारी कोई कदम नहीं उठाते हैं। भिखारी के वेश में आपराधिक तत्व के लोग पहले गली मौहल्लों में घूमकर रैकी करते हैं और फिर मौका मिलते ही किसी बडी घटना को अंजाम देने के बाद साथियों सहित राज्य से फरार हो जाते है। पुलिस द्वारा ऐसे कई गिरोह का खुलासा किया जा चुका है। अब प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में भिक्षावृति की जड़ें उखाड़ने के लिए आपरेशन मुक्ति अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। हांलांकि इससे पूर्व भी तत्कालीन सरकारों द्वारा देवभूमि को भिक्षावृति से मुक्त करने के लिए कई बार अभियान चलाये जा चुके हैं। परंतु इस समस्या का अपेक्षित समाधान नहीं हो सका है। जब तक भिक्षावृति से जुड़े लोगों की पूरी पहचान कर उन्हें समाज मुख्य धारा में शामिल करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाये जायेंगे इस समस्या का समाधान काफी मुश्किल होगा। राज्य में एक मार्च से 31 मार्च तक सरकार द्वारा आपरेशन मुक्ति अभियान चलाने की घोषणा की गई है। पुलिस प्रशाासन द्वारा चलाये जाने वाले इस अभियान की सफलता के लिए कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने प्रदेश के सभी जनपदों की गठित एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को निर्देशित किया है। आपरेशन के तहत बच्चों से कराई जा रही भिक्षावृति व बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम और उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया जायेगा। अभियान का सफल बनाने के लिए पुलिस प्रशासन सम्बधित विभागों के साथ साथ स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग भी लेगी। चलाये जाने वाले इस अभियान के तहत भिक्षावृति में लगे बच्चों के साथ ही गुब्बारे बेचने वाले, कूड़ा बीनने वाले, भिक्षावृति में लगे माता पिता के साथ घूमने वाले बच्चों को रेस्क्यू कर उनके माता पिता को बच्चे के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए समझा बुझाकर स्कूलों में प्रवेश दिलाया जायेगा। क्या जिन बच्चों को अभियान के तहत स्कूलों में प्रवेश कराया जायेगा वह निरंतर विद्यालय आयेंगे? इसमें संदेह बना रहेगा। क्योंकि गरीबी की मार झेल रहे जिन परिवारों के पास सिर ढकने की कोई जगह न हो वह अपने बच्चों को रोजाना स्कूल भेजने में कैसे सक्षम हो पायेंगे। बच्चे के स्कूल जाने व लौटने के समय माता पिता कहां होंगे इसका भी कोई निश्चित नहीं रहेगा। बेहतर यह होगा कि बच्चों को भिक्षावृति से दूर करने के लिए उन्हें सामूहिक रूप से उनके आवास के पास ही शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की जाये। इससे वहां अधिक अधिक बच्चे इकट्ठे हो सकेंगे। बच्चों को ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें वितरित की जायें। उनके माता पिता को बच्चों से भिक्षावृति न कराने के लिए प्रेरित किया जाये। ऐसा न करने पर बच्चे नशे की ओर बढ़ जाते हैं। खास तौर पर जो लोग भिक्षावृति की आड़ में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने की फिराक में घूमते हैं उनकी पहचान कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये।

सड़क किनारे मिला बाघ का शव

रूद्रपुर। शांतिपुरी के पंतनगर में मंगलवार को तराई पूर्वी वन प्रभाग के डौली रेंज में वन्यजीव संघर्ष में एक सात साल के बाघ की मौत हो गई, लेकिन वनकर्मी मामले को दबाए रहे। बुधवार को मीडिया में खबर पहुंचते ही आनन फानन में पशु चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को दफना दिया गया। मंगलवार की दोपहर वन कर्मियों की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान टीम को इमलीघाट गेट से लगभग डेढ़ किमी अंदर बौडखत्ता मार्ग पर कोटखर्रा-2 के पास सड़क किनारे एक बाघ का शव दिखाई दिया। पास जाकर देखा तो बाघ के पैरों

व शरीर पर चोटों के निशान मौजूद थे। आनन फानन उच्चाधिकारियों को सूचना देकर बाघ का शव वन चौकी लाया गया। मौके पर पहुंचे रेंजर नवीन पंवार और डिप्टी रेंजर मनोज जोशी ने पोस्टमार्टम के लिए चिकित्सकों की टीम को बुलाया, लेकिन किन्ही कारणों से टीम नहीं आ सकी। जिसके बाद बाघ के शव को चौकी के एक कमरे में बर्फ की सिल्ली मंगाकर रखवा दिया गया। बुधवार को दोपहर बाद पहुंची पशु चिकित्सकों की टीम ने बाघ के शव का पोस्टमार्टम किया जिसके बाद शव को दफना दिया गया। रेंजर पंवार ने बताया कि मृत बाघ की उम्र लगभग सात साल के आसपास है, उसके शरीर पर चोटों के निशान भी पाए गए हैं। जिससे प्रथमदृष्टया बाघ की मौत वन्यजीव संघर्ष में हुई प्रतीत होती है या किसी वाहन के टकराने से भी हो सकती है। मृत बाघ के सभी अंग सुरक्षित हैं, इसलिए मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुजाइश नहीं है।

भालू के हमले से श्रमिक गंभीर रूप से घायल

खटीमा। सुरई वन क्षेत्र में बुधवार सुबह लकड़ी काट रहे एक वन निगम के श्रमिक पर भालू ने हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सुरई वन क्षेत्र में वन निगम की ओर से लकड़ियों का कटान चल रहा है। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे निगम के श्रमिक जंगल में लकड़ियां काट रहे थे। तभी झाड़ियों में छिपे भालू ने शक्तिफार्म निवासी श्रमिक सुरेश हालदार पुत्र सुशांत हालदार पर हमला बोल दिया। इससे उसके दोनों हाथ जख्मी हो गए। दूसरे श्रमिकों के शोर मचाने पर भालू भाग गया। सुरेश के साथ लकड़ी काट रहे निर्मल राय ने बताया कि सुरेश की चीख की सुनकर सभी श्रमिकों ने शोर मचाया तो भालू गया। एसडीओ संचिता वर्मा ने बताया कि घायल श्रमिक को खटीमा उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां से घायल श्रमिक को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

क्राईम बैठक में सीओ ने दिये दिशा निर्देश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कोतवाली परिसर में आज सीओ निहारिका तोमर द्वारा कोतवाली क्षेत्रांतर्गत व थाना ट्रांजिट कैम्प पुलिस की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें उन्होंने एसएसपी के निर्देशों की जानकारी देते हुए उनका पालन करने को कहा। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी लम्बित विवेचनाओं का समय से निस्तारण करें। विभिन्न मामलों में वांछित एवं न्यायालय द्वारा वारंटी अभियुक्तों की शत प्रतिशत गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराना सभी का पहला दायित्व है। इसलिए अपने अपने क्षेत्र के शस्त्रधारकों के शस्त्र लाईसेंस सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। सीओ ने कहा कि आपराधिक वारदातों में लिप्त आदतन अपराधियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाये। कोतवाली क्षेत्र की सीमाओं पर सघन चैकिंग अभियान जारी रखा जाये। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या संदिग्ध वस्तु की जानकारी मिलने पर तत्काल उन्हें उपलब्ध कराई जाये। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। बैठक में कोतवाल धीरेन्द्र कुमार, एसएसआई कमाल हसन, केसी आर्या, ट्रांजिट कैम्प थानाध्यक्ष भारत सिंह सहित कई उप निरीक्षक, अपर उप निरीक्षक व पुलिस कर्मी मौजूद थे।

हल्द्वानी नगर निगम में प्रभारी सहायक नगर आयुक्त बनी विमला जोशी

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। शहरी विकास विभाग ने नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी विमला जोशी को हल्द्वानी नगर निगम में प्रभारी सहायक नगर आयुक्त के पद तैनात किया है। शहरी विकास विभाग के अपर सचिव नितिन सिंह भदौरिया के आदेश पर नगर पंचायत नानकमत्ता में तैनात अधिशासी अधिकारी विमला जोशी को जनहित में तत्काल प्रभाव से नगर निगम देहरादून में बतौर प्रभारी सहायक नगर आयुक्त की जिम्मेंदारी दी गई है। साथ ही तत्काल नवीन तैनाती स्थल पर तैनात होने के आदेश दिये है। विमला जोशी ने अपनी नई तैनाती पर कहा कि शासन के आदेश के अनुरूप नगर निगम हल्द्वानी में बतौर अपनी जिम्मेंदारी निभाऊंगी। शासन ने नानकमत्ता नगर पंचायत की ईओ प्रिंयका रैंकवाल को नियुक्त किया है। नगर निगम रूद्रपुर में कार्यरत कर एंव राजस्व अधीक्षक के पद पर तैनात प्रिंयका रैंकवाल को नगर पंचायत नानकमत्ता को अधिशाशी अधिकारी जिम्मेंदारी सौपी गई है। जल्द वह ईओ का चार्ज संभाल लेंगी।

लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक करें भागीदारी: मिश्रा

किच्छा(उद संवाददाता)। उप जिलाधिकारी/ एआरओ किच्छा ने क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की है कि आगामी लोकसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व पर भागीदारी करें। 67 किच्छा विधानसभा क्षेत्र के ए आर ओ एवं किच्छा परगना के उपजिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि आगामी लोक तंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक संख्या में मतदेय स्थलों पर पहुंच कर मतदान करें। एसडीएम कौस्तुभ मिश्रा ने नये मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि जो पहली बार मतदान करने जा रहे हैं वह अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकल कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी देते हुए मतदान करें। एसडीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान केदो पर बुजुर्गों वृद्धो दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं तथा ऐसे मतदाताओं को मतदान के दौरान पूर्ण रूप से सुविधा दी जाएगी ताकि वह सुविधाजनक तरीके से अपना मतदान कर सके।

पत्नी का गला दबाकर मारने की कोशिश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र में मध्य रात्रि नशेड़ी पति ने मारपीट करते हुए अपनी पत्नी का गला दबाकर उसे जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता का कहना है कि वह ट्रांजिट कैम्प की रहने वाली है। उसका पति रोज नशा करके घर आता है और हर रोज घर में झगडा करता है। उसका आरोप है कि पति गालियों देते हुये उसे व उसके बच्चे को बुरी तरह मारता पीटता है व घर का खर्च भी नही देता है। 28 फरवरी को मध्य रात्रि पति ने नशे में उसको बुरी तरह पीटते हुये उसका गला दबा कर जान से मारने की कोशिश कर रहे थे। जिस पर उसने शोर मचाया। शोर की आवाज सुनकर घर वालो ने उसे बचाया। घर वाले उसे ईलाज के लिए अस्पताल लेकर गये। पीड़िता का आरोप है कि उसके सुसराल वाले भी उसके पति का साथ देते है। पति से उसे व उसके बच्चो को जान माल का खतरा बना हुआ है।

भोजन माताओं ने 9 सूत्री मांगों को लेकर दिया धरना

गदरपुर(उद संवाददाता)। 9 सूत्री मांगों को लेकर क्षेत्र की भोजन माताओं ने शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने के साथ ज्ञापन भी दिया । प्रांतीय संगठन के आह्वान पर भोजन माताओं ने शिक्षाधिकारी कार्यालय पहुंचकर धरना दिया । संगठन की प्रमुख भोजन माता ने कहा कि भोजन माताएं बहुत ही कम मानदेय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह निष्ठा पूर्वक कर रही है उन्होंने कहा कि उनको बहुत कम मानदेय मिलता है उससे उनके परिवार का भरण पोषण नहीं हो पा रहा भोजन माताओं ने प्रदेश सरकार एवं शिक्षा विभाग से मानदेय वृद्धि सहित 9 सूत्री मांगों को पूरा किए जाने की मांग की। इस मौके पर भारती,बसंती देवी, पुष्पा देवी, देव मुनि,नरेंद्र कौर, सहित अन्य भोजन माताएं मौजूद रही।

चोरी के माल सहित एक गिरफ्तार

किच्छा(उद संवाददाता)। पुलभट्टा पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर चोरी किया हुआ सामान भी बरामद कर लिया। उल्लेखनीय है कि गत दिवस को रफीक अहमद पुत्र सगीर अहमद निवासी वार्ड न04 बण्डिया ने अवगत कराया कि अपने पार्टनर अबरार अहमद पुत्र अब्दुल रसीद निवासी उपरोक्त के साथ ट्रासपोर्टनगर पुलभट्टा मे लक्की बाडी मेकर के नाम से बडी गाड़िया सही करने की दुकान है दुकान मे रात्रि चोरी हुयी थी तथा दोपहर करीब 13.30 बजे के आस पास चोर दुकान के अन्दर से एक सफेद कट्टे मे बडे ट्रक के 3 बैरिग, 1ब्रेक रैचिट, 1 ब्रेक प्रेशर गूगी, 1 ब्रेक कूप्पा , 1एयर फिल्टर पाईप,1 कमानी रकाव,1 स्पीकर,1 डीजल आयल फिल्टर, 1केबिन लांक, 2 छोटे लोहे पाईप चोरी कर ले गया है । थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सीसीटीवी फुटेज की मदद से अखिलेश शर्मा पुत्र मेवाराम शर्मा निवासी बालाजीपुरम कालोनी वार्ड न019 सिरौलीकला पुलभट्टा को मय चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर लिया।

भोजनमाताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी का किया घेराव

सितारगंज(उद संवाददाता)। सरकारी विद्यालयों में न्यूनतम वेतन पर काम करने वाली भोजन माताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक का घेराव कर आरोप लगाया कि किसी भी तरह की सुविधा का उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा है। वे न्यूनतम वेतन पर काम करने को मजबूर है। जिला शिक्षा अधिकारी ने भोजन माताओं की मांगों से शिक्षा मंत्री को अवगत कराने का आश्वासन दिया। गुरुवार को जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक हरेंद्र मिश्रा टीम के साथ बीआरसी सभागार पहुंचे। जिसका पता चलते ही कामगार यूनियन के बैनर तले सेकडों की संख्या में भोजन माताएं पहुंच गई। वे कार्यालय के मुख्य गेट पर सांकेतिक रूप से बैठ गई। इस दौरान उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा को पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उन्हें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी घोषित किया जाए। उन्होंने वेतन 26 हजार रुपए प्रतिमाह करने, भविष्य निधि की सुविधा देने, 12 माह का मानदेय देने, रिटायर होने पर पेंशन का लाभ दिए जाने, मध्यान्ह भोजन योजना को निजी हाथों में न दिए जाने की मांग की। जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा ने कहा कि उनकी मांगों को पत्राचार के जरिए शिक्षा मंत्री के समक्ष पहुंचाया जाएगा। इस मौके पर भोजन माता कामगार यूनियन संध्या, सुधा राय, पारुल रेखा राणा आदि मौजूद रही। वहीं दूसरी तरफ जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा ने बीआरसी कार्यालय में तैनात अधिकारियों से वार्ता की। इस मौके पर सुरेश चंद्र उप्रेती, दिनेश चौहान, अजय सिंह क्वीरा, हिरदेश चौहान, जयंत मंडल के एन अटवाल मौजूद रहे।

तीन सगे भाइयों समेत चार के खिलाफ मारपीट का मुकदमा

काशीपुर(उद संवाददाता)। गाली गलौज मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की एक मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन भाइयों समेत एक ही परिवार के चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर पर्वतीय कॉलोनी, रुद्राक्ष गार्डन काशीपुर निवासी विनोद कुमार पुत्र स्वर्गीय इतवारी लाल ने बताया कि बीते 26 फरवरी को उसका पुत्र आदित्य मानपुर रोड स्थित राज पुरम कॉलोनी निवासी अपने मित्र प्रियांशु यादव के जन्मदिन पर उसके घर गया था। रात्रि 8:15 बजे जब वह बर्थडे पार्टी से वापस घर लौट रहा था इस दौरान उसके घर के बाहर ही राज पुरम कॉलोनी निवासी बृजराज मनोज प्रमोद पुत्रगण महेंद्र सिंह तथा ऋतिक पुत्र मनोज सभी निवासी उपरोक्त ने उसके पुत्र को घेर लिया और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। और शराबा होने पर भीड़ जमा हो गई। इस दौरान उपरोक्त सभी चारों आरोपी मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर उपरोक्त चारों के खिलाफ धारा 323 504 506 आईपीसी के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

चाकुओं के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो बदमाश किस्म के युवकों को शक के आधार पर दबोच कर तलाशी में उनके कब्जे से एक-एक चाकू बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक कुंडेश्वरी चौकी पुलिस भारतीय प्रबंधन संस्थान के निकट सेल टैक्स की पुलिया के समीप से होकर गश्त कर रही थी इसी दौरान संधि की हालत में चल कर्मी करते हुए एक बदमाश को पुलिस ने शक के आधार पर दबोच लिया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में उसने अपना नाम भट्ठा कॉलोनी कुंडेश्वरी निवासी वसीम पुत्र नसीम बताया। तलाशी में पुलिस को उसके कब्जे से एक चाकू बरामद हुआ। इसी तरह आपराधिक वारदात को अंजाम देने की नीयत से एस्कॉर्ट फॉर्म की ओर जाने वाले मार्ग पर चहल कदमी कर रहे एस्कॉर्ट फॉर्म कुंडेश्वरी निवासी शिवम कश्यप पुत्र रिंकू को पुलिस ने शक के आधार पर दबोच कर तलाशी में उसके कब्जे से भी एक चाकू बरामद किया। चौकी लाकर आवश्यक जानकारी जुटाना के बाद पकड़े गए दोनों बदमाशों का पुलिस द्वारा शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत चालान कर दिया गया।

उत्तरांचल दर्पण, रूद्रपुर के प्रकाशन के सम्बन्ध में सूचना फार्म-4

(नियम 8 देखिए)

1- प्रकाशन स्थान	रूद्रपुर(उधमसिंहनगर)
2- प्रकाशन अवधि	साम्ध्य दैनिक
3- मुद्रक का नाम	परमपाल सुखीजा
क्या भारत का नागरिक है	हॉ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	XXXXXX
पता	श्याम टाकीज रोड, कल्याणी व्यू, रूद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) उत्तराखण्ड
4- प्रकाशक	परमपाल सुखीजा
क्या भारत का नागरिक है	हॉ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	XXXXXX
पता	श्याम टाकीज रोड, कल्याणी व्यू, रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) उत्तराखण्ड
5- सम्पादक का नाम	परमपाल सुखीजा
क्या भारत का नागरिक है	हॉ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	XXXXXX
पता	श्याम टाकीज रोड, कल्याणी व्यू, रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) उत्तराखण्ड
6- उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1%से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	परमपाल सुखीजा श्याम टाकीज रोड, कल्याणी व्यू, रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) उत्तराखण्ड

मै परमपाल सुखीजा एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

हस्ताक्षर
परमपाल सुखीजा
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

दिनांक: 29 फरवरी 2024

हल्द्वानी में नैनीताल रोड़ चौड़ीकरण का मामला

हाईकोर्ट ने कहा तीन हफ्ते में अतिक्रमण तय करो

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ने हल्द्वानी में नैनीताल रोड से सड़क चौड़ीकरण के मामले में जिलाधिकारी की निस्तारण कमेटी को तीन सप्ताह में अतिक्रमण तय करने को कहा है। न्यायालय पहुंची जिलाधिकारी वंदना सिंह को न्यायालय ने बुलावे तक हाजिर होने से राहत दी है। ज्ञात हो कि हल्द्वानी की नया सवेरा सोसाइटी ने सचिव रेखा सती के माध्यम से उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी। जिसमें कहा गया कि ये मुहिम 29 दिसंबर 2023 से शुरू हुई। हल्द्वानी में अतिक्रमण हटाने और सड़क चौड़ीकरण का काम ठीक से नहीं किया गया है। इसमें प्रशासन ने महज खानापूर्ति की है। इस कारण मंगल पड़ाव और नैनीताल बरेली बस अड्डा अभी भी बौटल नैक बना हुआ है। इससे हर जगह अब ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। इससे क्षेत्रीय जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । प्रशासन लापरवाहीपूर्ण और भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहा है। जिससे क्षेत्र में दोबारा अतिक्रमण हो रहा है। ये भी आरोप लगाया गया कि अतिक्रमण के नाम पर कुछ लोगों को महज नोटिस जारी कर औपचारिकता की गई है। इससे पूर्व न्यायालय ने बीती 12 जनवरी को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये थे और कहा था सड़क पर पड़े मलुवे को हटाया जाए। प्रभावित लोगों को 7 दिनों का नोटिस देकर सुनने के बाद उचित आदेश पारित करें। जिलाधिकारी ने स्टेटस रिपोर्ट फाइल कर कहा कि सड़कों से मलुवा हटाया गया है। एक कमिटी बनाकर प्रभावितों को नोटिस देकर मामले का निस्तारण किया जा रहा है। प्रभावितों की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि वो 60 से 70 वर्षों से किराएदार और भूमि के स्वामी हैं और प्रशासन, न्यायालय के आदेश की आड़ में उन्हें बेदखल कर रहा है। न्यायालय ने कहा था कि वो बुधवार तक कागज दिखाएं और जिलाधिकारी इसकी स्टेटस रिपोर्ट न्यायालय में पेश करें। तब तक सड़क से अतिक्रमण ध्वस्तीकरण ड्राइव रोक दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश ऋतु बाहरी और न्यायमूर्ति कलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ ने जिलाधिकारी को समिति के माध्यम से तीन सप्ताह में कथित अतिक्रमणकारियों की एप्लीकेशनों को सुनकर उसका निस्तारण (तय) करने को कहा है।

हाईकोर्ट में व्यापारियों का पक्ष रखा न्यायपूर्ण

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नैनीताल बरेली रोड मार्ग में अतिक्रमण के नाम पर मार्ग के मध्य से दोनों ओर जो 12 12 मीटर का चिंहितकरण किया गया था। 28 फरवरी को उत्तराखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। व्यापारियों ने कहा सुनवाई के दौरान हमारे अधिवक्ता संदीप तिवारी द्वारा व्यापारियों का पक्ष रखा जिसमें सुनवाई करते हुए उत्तराखंड हाई कोर्ट ने स्टे को बढ़ाते हुए अगली तारीख तक निर्देशित किया है कि स्टेट को इस संदर्भ में चार हफ्ते में कमेटी बनाकर और वह प्रभावित दुकानदारों को विश्वास में लेकर कार्य हो। अगली तारीख 18 अप्रैल को नियमित कर दी गई।जिसका प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल महानगर हल्द्वानी के अध्यक्ष योगेश शर्मा व महामंत्री मनोज जायसवाल ने कहा किव्यापारियों के हाई कोर्ट के अधिवक्ता संदीप तिवारी द्वारा व्यापारियों का जिस प्रकार पक्ष रखा है वह न्याय पूर्वक है। जिला अध्यक्ष विपिन गुप्ता व जिला महामंत्री हर्षवर्धन पांडे ने कहा कि व्यापारी हित की लड़ाई संगठन हमेशा लड़ता रहेगा। व्यापारी संघर्ष समिति के पंकज कंसल व बलविंदर सिंह ने कहा कि इस लड़ाई में हमेशा वह व्यापार मंडल के साथ खड़े रहेंगे।

पेज एक का शेष...

हिमाचल में ६ विधायकों की...किया गया था, उसमें भी इन सभी विधायकों के सिग्नेचर थे। ऐसे में समय देने का सवाल नहीं उठता। उन्होंने कहा कि मंगलवार को भी जब सदन स्थगित हुआ तो विधायक सदन में आकर बैठे, लेकिन कार्यवाही के दौरान मौजूद नहीं रहे। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि उन्होंने नियमों के तहत यह फैसला लिया है। यह सभी विधायक दल बदल कानून के तहत दोषी पाए गए। अयोग्य घोषित किए गए इन विधायकों के सामने अब कोर्ट में फैसले को चैलेंज करने का रास्ता खुला हुआ है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि दल बदल कानून को इसलिए बनाया गया है, ताकि विधायकों की खरीद फरोख्त न हो। बता दें कि हिमाचल में राज्यसभा की एक खाली सीट के लिए मंगलवार को चुनाव हुए। जिसमें कुल 68 विधायकों ने मतदान किया था। कांग्रेस के पास 40 विधायक थे, लेकिन हद तो तब हो गई जब इनमें से छह विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। इसके बाद में कांग्रेस के पास सिर्फ 34 विधायक ही बचे। बीजेपी के पास निर्दलीय मिलाकर 28 विधायक थे। लेकिन उसको क्रॉस वोटिंग को फायदा हुआ और उसके पास भी विधायकों की कुल संख्या 34 हो गई।

तो गुलदारों के लिए... की है। वन विभाग के अनुसार उत्तराखंड में गुलदार के हमलों के पीछे सबसे बड़ी वजह इनकी लगातार बढ़ रही संख्या है ।पिछले 16 सालों में प्रदेश में गुलदार चार गुना बढ़ गए हैं ,जो आने वाले वक्त में इंसानों के लिए बड़े खतरे की घंटी है। वन विभाग के अनुसार प्रदेश में 2008 में गुलदारों की संख्या का आंकलन किया गया था और तब 2335 गुलदार पाए गए थे। इसके बाद 2023 में गुलदारों की गणना की गई, जो 3115 पाई गई। यानी पिछले 16 साल में प्रदेश में गुलदार की संख्या करीब 34 फीसदी तक बढ़ गई। गुलदारों की संख्या में सबसे ज्यादा बढोतरी पौड़ी, देहरादून, मसूरी, अल्मोड़ा, नैनीताल, हरिद्वार और यूएस नगर में दर्ज की गई है। वन विभाग का यह भी दावा है कि गुलदारों की जनसंख्या नियंत्रण को लेकर पिछले कुछ सालों से वन विभाग व भारतीय वन्यजीव संस्थान मिलकर काम कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश अभी तक जनसंख्या नियंत्रण का कोई कारगर उपाय नहीं निकल पाया है। बहरहाल, अब यह देखना खासा दिलचस्प रहेगा की सूबे के मुख्यमंत्री द्वारा वन विभाग के अधिकारियों के पेच कसने के बाद,राज्य के लोग गुलदार हमलों से कितना सुरक्षित रह पाते हैं ?।

हिंसा के मास्टरमाइंड मलिक का बेटा...की जीप, जेसीबी, दमकल की गाड़ी दोपहिया समेत 70 से अधिक वाहन फूंक दिए गए। आंसू गैस के गोले दागने और लाठी चार्ज के बाद भी जब हालात काबू में नहीं आए, तो सबसे पहले अधिकारी जान बचाने के लिए मौके से भागे। पुलिस व निगम टीम जैसे-तैसे वहां से निकली। प्रशासन ने उपद्रवियों को देखते ही पैर में गोली मारने के आदेश दिए हैं। पिता-पुत्र समेत छह लोगों की गोली लगने से मौत हो गई थी। हल्द्वानी हिंसा में करोड़ों की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। हिंसा के बाद से पुलिस लगातार उपद्रवियों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई कर रही है। हिंसा के बाद से अब्दुल मोईद फरार चल रहा था, जिसके बाद अब अब्दुल मोईद को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी चेक देकर...लेकर कम्पनी के पास पहुंची तो उक्त व्यक्ति द्वारा वाहन को कम्पनी से लगभग 01 किमी दूर श्री साई प्लाजा, गंगापुर रोड, रूद्रपुर में किसी दुकान पर उत्तरवा लिया गया और ड्राईवर कुलदीप राज को दि नैनीताल बैंक लि०, शाखा डिस्ट्रीक्ट कोट कम्पाउण्ड, सिडकुल, पन्तनगर में संचालित चालू खाता का एक चौक 5077946 रुपए का 14 मार्च 2024 का सौप दिया गया और रिसिविंग भी मोहर लगाकर दे दी गयी। ड्राईवर जब उसके पास उक्त रिसिविंग और चौक लेकर पहुंचा तो उक्त चौक की उसके द्वारा जाँच करवाई गयी तो पता चला कि जारी किया गया चौक फर्जी है तथा वह किसी अज्ञात व्यक्ति के नाम पर संचालित है। जिसके पश्चात उक्त व्यक्ति से फोन पर सम्पर्क करने की कोशिश की गयी तो उक्त व्यक्ति द्वारा अपना नम्बर बन्द कर लिया गया था। जिसके पश्चात अपने स्तर से काफी खोजबीन की गयी लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। जिसके पश्चात उसने सम्बन्धित कम्पनी जिसे उक्त व्यक्ति द्वारा बताया गया था। वहाँ पर जाकर पता किया गया तो ज्ञात हुआ कि कम्पनी द्वारा इस प्रकार का कोई वर्क आर्डर अथवा कोई भी सामग्री नही मंगाई गयी है। रामेश्वर सिंह ने बताया कि उसके साथ उक्त अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी की गयी है तथा सारा सामान हड़प लिया गया है।

जुआ खेलते...पुत्र फदल हुसैन निवासी नूरी मस्जिद वार्ड 11 किच्छा ,विमल कुमार पुत्र नित्यानन्द निवासी वार्ड न0 2 सुनहरी किच्छा ,आसिफ पुत्र याकूब खा निवासी नई सुनहरी वार्ड न0 2 किच्छा , जावेद पुत्र कय्यूम निवासी वार्ड न0 11 नूरी मस्जिद किच्छा ,जीशान पुत्र ऐसान निवासी वार्ड 18 सिरौलीकला पुलभट्टा ,अकरम पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी वार्ड न0 11 नूरी मस्जिद किच्छा आदि शामिल हैं। पकड़े गये सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस टीम मुख्य रूप से थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट, एएसआई प्रताप सुयाल,एएसआई प्रदीप सिह,एएसआई सुरेश पसबोला, हेड कांस्टेबल गोविन्द चन्द, हेड कांस्टेबल फिरोज खान, कांस्टेबल दीपक विष्ट, कांस्टेबल चारू पन्त ,कांस्टेबल महेन्द्र सिंह विष्ट,कांस्टेबल अर्पित कुमार आदि शामिल थे।

बाइक सवार ..पुलिस को देखकर भाग रहे थे। जिनमें एक लड़का बाईक से टकराया। उससे कहा कि थोड़ा आराम से चलो कहीं चोट लग गई तो क्या होगा। तभी युवक व उसके साथियों ने दोनों को गालियाँ देते हुए, चाकू, और लोहे कड़ो से बुरी तरह मारने पीटने लगे। जिससे दोनों के सर पर गभीर चोट आयी है। शोर शराबे की अवाज सुनकर आस पास के लोगों को आता देखकर हमलावर युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

शबाना हत्याकांड के...लिया था। पड़ोसी युवक उसे मोमो देने के लिए आने वाला था। इसके बाद शबाना के परिजनों ने उसकी हत्या कर दी थी।

नशे के इंजेक्शन और चाकू के साथ एक गिरफ्तार

किच्छा(उद संवाददाता)। पुलभट्टा पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान एक युवक को नशे के इंजेक्शन सहित अवैध चाकू रखने के जुर्म में गिरफ्तार किया है तथा जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान बहेरी बॉर्डर के पास से निशान पुत्र इकबाल निवासी बोरिंग गली वार्ड नंबर 14 को गिरफ्तार किया गया है जिसके पास से एक चाकू तथा नशे के आठ इंजेक्शन बरामद किए गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। आरोपी की आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। गिरफ्तार करने वालों में कांस्टेबल दीपक बिष्ट, कांस्टेबल महेंद्र सिंह शामिल थे।

चाकू के साथ युवक को किया गिरफ्तार

गदरपुर (उद संवाददाता)।आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय व्यक्तियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने झूनी माजरा तिराहे के पास सकेनिया से भूरा पुत्र अब्दुल नबी निवासी ग्राम टांडा डाल चंद केला खेड़ा को चाकू के साथ संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध थाना गदरपुर में धारा-4/25 आयुध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पकड़ने वाली टीम में चौकी प्रभारी सकैनिया भूपेंद्र सिंह, कांस्टेबल जीवन चंद, रणवीर चौहान आदि शामिल थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

निःशुल्क जांच केंद्र चिकित्सालय परिसर में शिफ्ट

किच्छा(उद संवाददाता)। सरदार बल्लभ भाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ एच सी त्रिपाठी के प्रयास से सरकारी निःशुल्क जांच केंद्र को चिकित्सालय परिसर में शिफ्ट करा दिया है। डॉ. त्रिपाठी के इस कदम की रोगियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए चिकित्सा अधीक्षक का आभार व्यक्त किया है।नगर के सरदार वल्लभ भाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज हेतु आने वाले रोगियों को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा लिखी जाने वाली विभिन्न प्रकार की रक्त जांच से लेकर अन्य रोगों की जांच सरकारी खर्चे पर निशुल्क जांच केन्द्र मेंकी जाती है। सरकारी निःशुल्क जांच केन्द्र सरकारी चिकित्सालय के बाहर दूसरी मंजिल पर किराए के भवन में चल रहा था। जिससे रोगियों को खासकर बुजुर्ग रोगियों को दूसरी मंजिल पर पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। रोगियों की परेशानी को देखते हुए सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एचसी त्रिपाठी ने नयी व्यवस्था कराते हुए निःशुल्क जांच केन्द्र को चिकित्सालय परिसर में ही शिफ्ट करा दिया। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा की गई निशुल्क जांच केन्द्र की नयी व्यवस्था पर चिकित्सालय में आने वाले रोगियों ने आभार व्यक्त करते हुए प्रशंसा व्यक्त की है तथा डॉक्टर त्रिपाठी की कार्यशैली की सराहना की है। ध्यान रहे कि भाजपा की धामी सरकार ने सरकारी चिकित्सालयों में उपचार हेतु आने वाले रोगियों की चिकित्सकों द्वारा विभिन्न प्रकार की लिखी जाने वाली रक्त एवं अन्य जांचों को निःशुल्क कर दिया है।

रोगियों की दिक्कतों को देखते हुए उठाया कदम

किच्छा। सरदार वल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ एच सी त्रिपाठी ने बताया कि चिकित्सालय में आने वाले रोगियों की विभिन्न प्रकार की चिकित्सकों द्वारा लिखी जाने वाली जांचें, चिकित्सालय के बाहर किराए के भवन में दूसरी मंजिल पर चल रहे जांच केन्द्र में होती हैं। दूसरी मंजिल पर स्थित जांच केन्द्र तक पहुंचने में रोगियों खासकर बुजुर्ग रोगियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए निःशुल्क जांच केन्द्र की चिकित्सालय परिसर में ही व्यवस्था करा दी है ताकि रोगियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। निःशुल्क जांच केन्द्र विधिवत संचालित हो रहा है। डॉ. त्रिपाठी का कहना है कि वह चिकित्सालय में आने वाले रोगियों को सभी चिकित्सकों के सहयोग से बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं।

उप जिला अस्पताल में फिजिशियन, स्पेशलिस्ट चिकित्सक आने से दोगुनी हुई ओपीडी की संख्या

सितारगंज(उद संवाददाता)। सितारगंज के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सरकारी अस्पताल को उप जिला चिकित्सालय में परिवर्तित कराने के बाद अस्पताल में चिकित्सकों की तैनाती बढ़ा दी है। डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों की संख्या भी दोगुनी हो गई है। अस्पताल में अब रोजाना करीब 600 ओपीडी संख्या और 60 बेड की सुविधा होने से भर्ती की संख्या भी 50 तक पहुंच गई है। जिनमे अधिकांश निर्धन परिवार के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। इसके साथ ही अस्पताल में मरीज के स्वास्थ्य सुविधा को लेकर ईसीजी, अल्ट्रासाउंड डिजिटल एक्स-रे ब्लड चेक अप की सुविधा अतिरिक्त कर दी गई है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग का भव्य निर्माण सिडकुल की बालाजी फैक्ट्री के सहयोग से कराया गया। भव्य निर्माण के बाद कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा ने अस्पताल में स्वास्थ्य संबंधी बेसिक सुविधाओं का इंतजाम कराया। सर्वप्रथम अस्पताल में फिजिशियन और विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती कराई गई। इसके बाद अस्पताल की ओपीडी 300 से 600 तक पहुंच गई। वर्तमान में उप जिला चिकित्सालय में प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अभिलाषा पांडे, डॉक्टर रविंद्र सिंह, डॉक्टर लक्ष्मण सिंह बृजवाल, एनेस्थीसिया संजय, बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कनिका मेहता तैनात हैं। जिनमें में अधिकांश डॉक्टर वर्तमान में सेवाएं दे रहे हैं। स्पेशलिस्ट डॉक्टर की तैनाती के बाद अस्पताल में ओपीडी की संख्या भी बढ़ गई है। वर्तमान में अस्पताल में इलाज करने के लिए शक्तिफार्म सितारगंज के अलावा नानकमत्ता क्षेत्र तक से मरीज पहुंच रहे हैं। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला चिकित्सालय में शासन से मंजूरी दिलाई गई। अस्पताल की भव्य बिल्डिंग का निर्माण कराने के साथ ही बेसिक स्वास्थ्य सेवाएं जैसे अल्ट्रासाउंड, ब्लड जांच, दिल की जांच, डिजिटल एक्सरे आदि सुविधा का लाभ क्षेत्र के नगरीय और ग्रामीण अंचलों के जरूरतमंद मरीज उठा रहे हैं। जरूरतमंद मरीजों के लिए अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी तैनाती करा दी गई है।

बढ़ रही ओपीडी, फार्मासिस्ट की है कमी : अभिलाशा पांडे

सितारगंज। उप जिला चिकित्सालय में मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का भार भी बढ़ गया है। वर्तमान में अस्पताल में एक फार्मासिस्ट तैनात हैं जबकि स्वास्थ्य विभाग ने उप जिला चिकित्सालय के लिए दो फार्मासिस्ट तैनात करने के लिए पत्राचार भी किया है। इसके अलावा अस्पताल में कक्ष सेवकों की भी कमी है। जिस वजह से स्वस्थ सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उप जिला चिकित्सालय चिकित्सा अधीक्षक अभिलाष पांडे ने बताया कि अस्पताल मेंचिकित्सकों की तैनाती बढ़ाने के बाद मरीज की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले अस्पताल की ओपीडी करीब 300 पंजीकृत की जाती थी वर्तमान में 600 के करीब पहुंच गई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी 50 के करीब पहुंच गई है। प्रत्येक मरीज को योजना के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अस्पताल प्रशासन की तरफ से दिया जा रहा है ।

चुनाव के लिए बूथ स्तर पर मजबूती से जुटें कार्यकर्ता:भौर्याल

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की विधानसभा रुद्रपुर की बैठक भाजपा कार्यालय पर हुईं। बैठक लेने पहुँचे प्रदेश उपाध्यक्ष व लोकसभा चुनाव प्रभारी पूर्व विधायक बलवंत सिंह भौर्याल का पार्टी कार्यालय पहुँचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल ने पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया। पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं से कहा कि महज कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव को लेकर घोषणा होने ही वाली है और पार्टी संगठन इसको लेकर तैयारी को अंतिम रूप देने की ओर है। उन्होंने पिछले एक माह में प्रदेश संगठन द्वारा मण्डल स्तर दिये गये कार्यक्रमों की समीक्षा की जिसमे गांव चलो अभियान, युवा मतदाता सम्मेलन, दीवार लेखन, गांव परिक्रमा अभियान, ओबीसी सम्मेलन, तिरंगा यात्रा जैसे अनेको कार्यक्रमों को लेकर जानकारी ली।उन्होंने कहा कि हम बूथ तक कि इकाई को सक्रिय कर लें और इस बार पहले से भी अधिक मतों से अपने अपने बूथ को जिताने का लक्ष्य हमको रखना है, साथ ही शीर्ष नेतृत्व का लक्ष्य है कि हमने उत्तराखंड की पाँचो सीटें बहुत बड़े अंतर से जीतनी है और उत्तराखंड की सभी लोकसभा सीटो को लेकर प्रदेश की जनता से लेकर भाजपा का एक एक कार्यकर्ता पूर्ण रूप से आश्वस्त है कि जीत भाजपा की होगी। बस हमको अपनी सक्रियता और बूथ पर मेहनत से उस जीत के अंतर को विशाल बनाना है। प्रभारी बलवंत सिंह भौर्याल ने कहा कि हल्द्वानी में आगामी 2 मार्च को भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का प्रवास सुनिश्चित हुआ है जिसमें वह बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने वाले हैं। भौर्याल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का हल्द्वानी प्रवास काफी महत्वपूर्ण है जिसमे कुमांऊ क्षेत्र के बूथ तक के कार्यकर्ताओं का कुमाऊँ स्तरीय सम्मेलन आयोजित होने वाला है जिसमे हर मण्डल से शत प्रतिशत कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुँचे। भौर्याल ने कहा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रखी गयी 2 सीटों वाली भाजपा आज भारत के मानचित्र में देश ही नही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी है। साथ ही दस सालों की मोदी सरकार का कार्यकाल गरीब महिला युवा किसान के कल्याण को समर्पित रहा है । बैठक में उन्होंने सभी कार्यकताओ को कहा कि हमको अबकी बार 400 पार के नारे को सार्थक सिद्ध करने की दृष्टि से लोकसभा चुनाव में लगाना है और पुन: देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बनाना है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, सह प्रभारी राकेश नैनवाल, लोकसभा सयोंजक विवेक सक्सेना, रुद्रपुर विधानसभा सयोंजक प्रकाश हरबोला, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री नेत्रपाल मौर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा रश्मि रस्तौगी, पूर्व मेयर रामपाल, परवेज खान, जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, भाजपा नेता वेद ठुकराल, शालनी बोरा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, धर्म सिंह कोली, हरीश भट्ट, विधानसभा विस्तारक अमित चौधरी,पूर्व दर्जामंत्री, सुरेश परिहार, चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश सयोंजक रणजीत सिंह गिल, कार्यालय मंत्री गजेन्द्र प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी मयंक कक्कड़, स्वाति शर्मा, मोहन तिवारी, माही सकलानी, विकास सागर, राधेश शर्मा, राजेश जग्गा, विनय बत्रा,सुनील यादव, मनदीप वर्मा, मदन दिवाकर, गोविंद शर्मा, सोनू अनेजा, भूपराम लोधी, चन्द्रपाल मौर्य,राजीव शुक्ला,जगसोरण मलिक, वीना कोर, प्रियंका विश्वास, आदेश भरद्वाज, जगजीत गुम्मन, जुल्फिकार अली, कुलदीप फौजी, राजेश तिवारी,राजेंद्र राठौर, जगदीश विश्वास, आयुष चिलाना, जितेंद्र संधू व अन्य लोग मौजूद रहे।